घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 59- सोमवार 29- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्र. 13/Surguja DN/ 2023-2025

उन्नाव दुष्कर्म मामला...कुलदीप सेंगर की जमानत पर जंतर-मंतर में भारी हंगामा

नई दिल्ली,28 दिसम्बर 2025 । देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर रविवार को एक बार फिर विरोध प्रदर्शनों और तीखी बहस का केंद्र बन गया। उन्नाव दुष्कर्म मामले के दोषी और पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा निलंबित किए जाने के फैसले ने जन-आक्रोश को भड़का दिया है। बड़ी संख्या में महिलाएं और सामाजिक कार्यकर्ता इस फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं, जिससे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। वर्ष 2017 के चर्चित उन्नाव दुष्कर्म मामले की पीड़िता स्वयं जंतर-मंतर पर मौजूद रहकर अपना विरोध दर्ज करा रही है। प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि एक जघन्य अपराध के दोषी को इस तरह रिहा करना न केवल पीड़िता के साथ अन्याय है, बल्कि समाज में गलत संदेश भी देता है। पीड़िता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हालांकि वह दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश से आहत है, लेकिन उसे देश की शीर्ष अदालत पर अटूट विश्वास है। उसने कहा, 'सभी जज एक जैसे नहीं होते, मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट मेरे साथ न्याय करेगा और सेंगर की जमानत को तुरंत खारिज करेगा। '

'आई सपोर्ट कुलदीप सेंगर': बैनर लेकर पहुंची महिला से विवाद

प्रदर्शन के दौरान माहौल तब और गरमा गया जब एक महिला हाथ में 'आई सपोर्ट कुलदीप सेंगर' लिखा हुआ बैनर लेकर वहां पहुंच गई। पीड़िता के समर्थकों के बीच खड़े होकर दोषी का समर्थन करने की इस हिमाकत ने वहां मौजूद लोगों को आक्रोशित कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर जुबानी जंग और तीखी बहस शुरू हो गई। दोषी का समर्थन कर रही महिला ने चिल्लाते हुए कहा, 'रेप पर राजनीति मत करिए, इसे बंद करो।' इस पर वहां मौजूद भीड़ ने 'शर्म करो' के नारे लगाकर अपना विरोध जताया।

विधायक हुमायूं कबीर का बेटा मारपीट के आरोप में गिरफ्तार

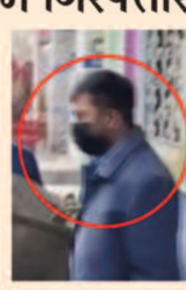

मुर्शिदाबाद,28 दिसम्बर 2025 । टीएमसी से निकाले गए विधायक नेता हुमायूं कबीर के बेटे को मुर्शिदाबाद पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। गोलाम नबी आजाद (रॉबिन) पर पिता हुमायूं कबीर के निजी सुरक्षा अधिकारी कांस्टेबल जुम्मा खान से मारपीट का आरोप है। रविवार को जुम्मा खान मुर्शिबादाबद के शक्तिनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि घर जाने के लिए छुट्टी मांगने पर गोलाम नबी ने उनके साथ मारपीट की। घटना हुमायूं कबीर कार्यालय में ग्राउंड फ्लोर पर हुई। घटना के वक्त कई सारे लोग मौजूद थे। वहीं, बेटे की गिरफ्तारी पर हुमायूं कबीर ने कहा कि टीएमसी के इशारे पर हमें निशाना बना रही है। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद शाक्तिपुर इलाके में उनके घर को पुलिस ने घेर लिया। एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि के घर को इस तरह के घटिया बहाने से घेरना गलत है। कबीर ने कहा कि घटना के वक्त वे घर से बाहर थे। बेटे ने घर के पुलिसकर्मी के आने पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद पुलिस ने नाराज होकर बेटे पर झूठे आरोप लगाए। अवैध तरीके से हिरासत में लिया। मेरे बेटे को तत्काल छोड़ा जाए। नहीं तो 1 जनवरी को मुर्शिदाबाद एसपी ऑफिस का घेराब किया जाएगा।

कांग्रेस की विरासत विफलताओं और गलत फैसलों की : भाजपा

नई दिल्ली,28 दिसम्बर 2025। कांग्रेस के स्थापना दिवस पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को लेकर भारतीय जानता पार्टी हमलावर है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस की विरासत देश के लिए उपलब्धियों की नहीं, बल्कि विफलताओं और गलत फैसलों की रही है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके), देश का विभाजन, वर्ष 1984 के दंगे, चीन को भूमि देना और आपातकाल कांग्रेस की विरासत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे एक रिमोट कंट्रोल अध्यक्ष की तरह काम कर रहे हैं और कथित रूप से गांधी परिवार की सेवा में लगे हुए हैं। कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है और पार्टी नेतृत्व इस सच्चाई से अवगत होने के बावजूद कुछ कहने की स्थिति में नहीं है।

पीएम ने मन की बात के 129 वाँ एपिसोड में 2025 में देश की उपलब्धियों पर की चर्चा...

'ऑपरेशन सिंदूर' देश का गर्व बना,अब हम नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ाने को तैयार : पीएम मोदी

नई दिल्ली,28 दिसम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 129वां एपिसोड 2025 में देश की उपलब्धियों पर चर्चा की। 2025 के आखिरी एपिसोड में नए साल 2026 की चुनौतियों,संभावनाओं, डेवलपमेंट पर भी चर्चा की। पीएम ने कहा- 2025 भारत के लिए गर्व भरे मील के पत्थरों का साल था। चाहे राष्ट्रीय सुरक्षा हो,खेल हो,वैज्ञानिक इनोवेशन हो या दुनिया के सबसे बड़े प्लेटफॉर्म हों,भारत का असर हर जगह दिखाई दे रहा था। इसके अलावा पीएम मोदी ने खेल,पीएम मोदी ने खेल, वंदेमातरम्,अंतरिक्ष,महाकुंभ,राम मंदिर और 77वें गणतंत्र दिवस पर अपनी बात रखी। इससे पहले 30 नवंबर को मन की बात का 128वां एपिसोड टेलिकास्ट किया गया था। पीएम ने इसमें भारत में खेलों की प्रगति, विंटर टूरिज्म,वोकल फॉर लोकल के साथ ही वाराणसी में होने वाले काशी-तमिल संगमम का जिक्र किया था। इस साल 'ऑपरेशन सिंदूर' हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। स्वदेशी को लेकर भी लोगों का उत्साह खूब दिखाई दिया। लोग वही सामान खरीद रहे हैं,जिसमें किसी भारतीय का पसीना लगा हो और जिसमें भारत की मिट्टी की सुगंध हो। आज हम गर्व से कह सकते हैं 2025 ने भारत को और आत्मविश्वास दिया है।

मणिपुर के मोइरांगथेम ने सैकड़ों घरों में लगाए सोलर पैनल...

पीएम ने कहा कि मणिपुर के एक युवा मोइरांगथेम ने बिजली की समस्या से निपटने के लिए सोलर पैनल लगाने का अभियान चलाया और इस अभियान की वजह से आज उनके क्षेत्र के सैकड़ों घरों में सोलर पावर पहुंच गई है। मणिपुर के सुदूर क्षेत्र में बिजली की बड़ी समस्या थी। इस चुनौती से निपटने के लिए उन्होंने लोकल सोल्यूशन पर जोर दिया और उन्हें ये सोल्यूशन मिला सोलर पावर में। मणिपुर में वैसे भी सोलर एनर्जी पैदा करना आसान है।

पीएम ने एंटीबायोटिक दवाओं के बढ़ते इस्तेमाल पर चिंता जताई...

पीएम ने कहा आईसीएमआर ने हाल ही में रिपोर्ट में बताया कि निमोनिया और यूटीआई जैसी बीमारियों में दवाई कमजोर साबित हो रही हैं। इसकी वजह बिना सोचे दवा का सेवन हैं। आज कल लोग एंटी बायोटिक दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। लोग सोचते हैं कि एक गोली ले लो बीमारी दूर हो जाएगी। मैं अपील करता हूं कि अपने मन से दवाओं का सेवन करने से बचें। इनका इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह से ही करें।

कश्मीर का इतिहास 2 हजार साल पुराना : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला में जो ऊंचे-ऊंचे टीले हैं वे प्राकृतिक नहीं इंसानों के बनाए हुए हैं। ये आर्कियोलॉजिस्ट के अध्ययन में पता चला है। उन्होंने कहा कि फ्रांस के म्यूजियम में एक पुराना,धुंधला सा चित्र मिला। जिसमें बारामूला के उस चित्र में तीन बौद्ध स्तूप नजर आ रहे थे। यहीं से कश्मीर का गौरवशाली अतीत हमारे सामने आया। ये करीब दो हजार साल पुराना इतिहास है। कश्मीर के जेहनपोरा का ये बौद्ध परिसर हमें याद दिलाता है, कश्मीर का अतीत क्या था।

दुबई में कन्नड़ पाठशाला खुली, फिजी में तमिल दिवस मनाया गया : पीएम ने कहा कि कन्नड़ा परिवार ने दुबई में कन्नड़ा पाठशाला की शुरुआत की। यह एक ऐसा प्रयास, जहां बच्चों को 'कन्नड़ा' लिखना और बोलना सिखाया जाता है। आज इससे एक हजार से ज्यादा बच्चे जुड़े हैं। वाकई कन्नड़ा की भूमि और भाषा, हमारा गर्व है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लगातार प्रयास हो रहे। पिछले महीने फिजी के एक स्कूल में पहली बार तमिल दिवस मनाया गया। उस दिन बच्चों ने अपनी भाषा पर खुले दिल से गौरव व्यक्त किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पनडुब्बी आईएनएस वाघषीर में यात्रा की

ऐसा करने वाली दूसरी प्रेसिडेंट,इससे पहले डॉ. कलाम सबमरीन में बैठे थे...

कारवाड़,28 दिसम्बर 2025 । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कर्नाटक के कारवाड़ नेवल बेस पर पनडुब्बी (सबमरीन) में यात्रा की। कलवरी क्लास की सबमरीन आईएनएस वाघषीर में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी राष्ट्रपति के साथ थे। राष्ट्रपति मुर्मू की कलवरी क्लास सबमरीन में यह पहली और किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है। डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम पहले राष्ट्रपति थे, जिन्होंने सबमरीन में यात्रा की थी। कलाम ने फरवरी 2006 में पनडुब्बी यात्रा की थी। राष्ट्रपति नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में पहुंची। पी 75 स्कॉर्पीन प्रोजेक्ट की छठी और अंतिम पनडुब्बी आईएनएस वाघषीर को जनवरी में नौसेना में शामिल किया गया था।

लड़ाकू विमानों में भी उड़ान भर चुकीं राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू भारतीय वायुसेना के दो लड़ाकू विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति भी हैं। उन्होंने इस साल 29 अक्टूबर को राफेल और 2023 में सुखोई 30 एमकेआई में उड़ान भरी।

आईएनएस सिंधुदर्शक में बैठे थे डॉ. कलाम

भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम सबमरीन में यात्रा करने वाले पहले भारतीय राष्ट्राध्यक्ष बने। डॉ. कलाम 13 फरवरी 2006 को ईस्टर्न नेवल कमांड के तहत विशाखापट्टनम में सबमरीन में कुछ घंटों के लिए बंगाल की खाड़ी में रहे। उनके साथ तत्कालीन नौसेना प्रमुख अरुण प्रकाश भी थे। सबमरीन की कमान कमांडर पीएस बिष्ट संभाल रहे थे। सबमरीन यात्रा के बाद डॉ. कलाम ने पत्रकारों से कहा था, 'पानी के अंदर सबमरीन में यात्रा करने का यह मेरा पहला अनुभव है।

कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी के बीच गठबंधन का ऐलान...62 सीटों पर लड़ेगी चुनाव वीबीए

नई दिल्ली,28 दिसम्बर 2025। कांग्रेस और प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) ने रविवार को आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के लिए गठबंधन का एलान कर दिया। इस समझौते के तहत वंचित बहुजन आघाड़ी 227 में से 62 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस 150 से अधिक सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी,जबकि कुछ सीटें राष्ट्रीय समाज पक्ष और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई) को दी जाएंगी। इस गठबंधन की घोषणा महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और वीबीए के प्रदेश उपाध्यक्ष धैर्यवर्धन पुंडकर ने की। सपकाल ने कहा कि राज्य की शेष 28 नगर

निगमों के लिए गठबंधन पर फैसला स्थानीय स्तर पर लिया जाएगा और दोनों दलों ने अपनी स्थानीय इकाइयों को उपयुक्त निर्णय लेने का अधिकार दिया है। सपकाल ने गठबंधन को महज चुनावी गणित नहीं,बल्कि साझा विचारधारा पर आधारित स्वाभाविक गठबंधन बताया। सपकाल ने कहा, यह संख्याओं का खेल नहीं, बल्कि विचारों का संगम है।

अकाल तख्त का फैसला...विवाह स्थल पर नहीं ले जा सकेंगे गुरु ग्रंथ साहिब

चंडीगढ़,28 दिसम्बर 2025। अकाल तख्त साहिब पर रविवार को पांच सिंह साहिबानों की संयुक्त बैठक में गुरु ग्रंथ साहिब की सवारी को शादी वाले स्थान पर लेकर जाने की रोक लगा दी गई है। सिंह साहिबानों की बैठक के बाद अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदारी कुलदीप सिंह गड़गज ने रविवार को बताया कि सिख धर्म में अब आनंद कारज केवल गुरुद्वारों में ही होगा। पार्कों, होटलों और अन्य खुले या व्यवसायिक स्थानों पर आनंद कारज की पूर्णतः मनाही होगी। गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को किसी भी विवाह स्थल पर ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उल्लंघन की स्थिति में पावन स्वरूप प्रदान करने वाले व्यक्ति, आनंद कारज करवाने वाले रागी

जत्थे और संबंधित स्थानों के मालिकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। विशेष तौर पर चंडीगढ़ और आसपास के इलाकों में सामने आ रहे ऐसे मामलों पर भी बैठक में चिंता व्यक्त की गई। सभी ग्रंथी सिंह, रागी जत्थे, प्रबंधक एवं सेवादार इन आदेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें।

महाराष्ट्र एएनटीएफ ने बेंगलुरु से 55 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त किया,चार गिरफ्तार...

मुंबई,28 दिसम्बर 2025। महाराष्ट्र एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बेंगलुरु में घरों से चल रही तीन अवैध मेफेड्रोन (एमडी) नामक मादक पदार्थ बनाने वाली फैक्ट्ररियों पर छापा मारकर 55 करोड़ रुपये से ज़्यादा की करीब 21 किलो ड्रग्स ज़ब्त किया है। महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की छानबीन महाराष्ट्र एएनटीएफ की टीम कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे अधिकारी ने रविवार को बताया कि एएनटीएफ कोंकण की टीम नवी मुंबई के वाशी इलाके स्थित पुराने बस स्टाप के पास से मादक पदार्थ सहित

अब्दुल कादिर राशिद शेख को गिरफ्तार किया था। अब्दुल कादिर के पास से 1.48 करोड़ रुपये की 1.48 किलो मेफेड्रोन बरामद की गई थी। इसके बाद एएनटीएफ ने इस मामले की छानबीन शुरु किया। शेख से पूछताछ के बाद एएनटीएफ कोंकण टीम बेलगाम के रहने वाले प्रशांत यल्लप्पा पाटिल तक पहुंची, जिस पर ड्रग बनाने का शक था। पाटिल को ट्रैक करके गिरफ्तार किया गया, और पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि ड्रग बेंगलुरु में तीन अस्थायी फैक्ट्ररियों में बनाई जा रही थी। इसके बाद पुलिस ने दो और लोगों, सुरेश रमेश यादव और मलखान रामलाल बिश्नोई को गिरफ्तार किया,दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं। दोनों ने कबूल किया कि वे मादक पदार्थ बनाने और बांटने में शामिल थे। इन दोनों से मिली जानकारी के आधार पर एएनटीएफ की टीम ने बंगलुरु के गोलाहल्ली,स्पंदना और येरपनहल्ली कन्नूर इलाके में स्थित घरों में तीन ड्रग फैक्ट्रियों पर छापा मारकर 4.1 किलो एमडी ड्रग पावडर और 17.3 किलो लिक्विड रूप में, साइकोट्रॉपिक पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई केमिकल और इसे बनाने के लिए ज़रूरी उपकरण जब्त किया।

राहुल थकिए मत,आपको तमिलनाडु-बंगाल में भी हारना है : शाह

राहुल गांधी डेवलपमेंट की पॉलिटिक्स नहीं समझते,इसलिए बार-बार चुनाव हारते हैं...

अहमदाबाद,28 दिसम्बर 2025। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनावों में बार-बार हार डेवलपमेंट की पॉलिटिक्स न समझ पाने का नतीजा है। उन्होंने कहा...'राहुल आप अभी से थकिए मत, आगे भी हारना है। आप पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी चुनाव हारेंगे। 2029 में पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी एक बार फिर सत्ता में लौटेगी।' अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति देश की सोच से मेल नहीं खाती। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विकास और सुशासन जैसे मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय कानूनी और टेक्निकल मुद्दों में उलझे रहते हैं। शाह ने कहा कि बीजेपी ने भरोसे और जनता की जरूरतों को समझकर शासन किया, इसलिए उसे बार-बार चुनावों में जनादेश मिला। वहीं कांग्रेस लगातार इसलिए हार रही है,क्योंकि वह उन मुद्दों से दूर है जिनका जनता समर्थन करती है। राहुल गांधी की संसद में की गई उस टिप्पणी का जिक्र किया,जिसमें उन्होंने कांग्रेस की लगातार चुनावी हार को लेकर सवाल उठाया था। शाह ने कहा कि दो पब्लिक प्रोग्राम के नतीजे ही इस सवाल का जवाब दे देते हैं।

शाह की स्पीच की बड़ी बातें...

- कांग्रेस ने उन सभी नीतिगत फैसलों का विरोध किया, जिन्हें जनता का समर्थन मिला। इनमें राम मंदिर, पाकिस्तान के खिलाफ एयर स्ट्राइक,बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन,अनुच्छेद 370 हटाना और काशी में मंदिर निर्माण जैसे फैसले शामिल हैं।
- राहुल गांधी आम लोगों की वास्तविक समस्याओं को समझने के बजाय एसआईआर जैसे मुद्दों को समझने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह उनकी जिम्मेदारी भी नहीं है, फिर भी वे इन्हीं विषयों में उलझे रहते हैं।
- जब आप हर उस फैसले का विरोध करते हैं,जिसे जनता का समर्थन मिला हो, तो वोट कहां से आएंगे? बीजेपी की विकास पर आधारित राजनीति और संवेदनशील शासन मॉडल जनता से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

अहमदाबाद में आधुनिक तकनीक से बनी ड्रेनेज लाइन का उद्घाटन

रविवार को अहमदाबाद के पश्चिमी इलाके में अमित शाह ने 27 किलोमीटर लंबी नई ड्रेनेज लाइन का उद्घाटन किया। यह लाइन बिना सड़क खोदे,आधुनिक तकनीक से बनाई गई है। शाह ने इसे इंजीनियरिंग का बेहतरीन उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि वणझर इलाके में 1973 के बाद जिन लोगों ने सब कुछ खो दिया था,वे यहां आकर बसे थे। करीब 50 साल से कई परिवार यहां रह रहे थे,लेकिन उनके प्लॉट की कानूनी प्रक्रिया अटकी हुई थी। उन्होंने बताया कि अब इस समस्या को हल कर दिया गया है। सभी फाइलें पूरी कर ली गई हैं और आज से लोगों को उनके प्लॉट कानूनी रूप से मिल गए हैं। इससे हजारों परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव आएगा।

अरावली विवाद...सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया,आज सुनवाई

जयपुर,28 दिसम्बर 2025। अरावली पर्वतमाला को लेकर उठा विवाद एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। दरअसल, जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को ही अरावली मानने की नई परिभाषा का विरोध हो रहा है। अब इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की वैकेशन बेंच सोमवार को सुनवाई करेगी। बेंच में जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी होंगे। सीजेआई के वैकेशन कोर्ट में यह मामला पांचवें नंबर पर लिस्टेड है। अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट की इस सुनवाई पर टिकी हैं,जहां केंद्र और राज्य सरकारों को नए निर्देश जारी किए जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की समिति की सिफारिश स्वीकार की,जिसमें 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली के रूप में मान्यता देने की बात कही गई। इससे पहले 1985 से चले आ रहे गोदावर्मन और एमसी मेहता मामले में अरावली को व्यापक संरक्षण मिला हुआ था। नए फैसले के बाद राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। पर्यावरण कार्यकर्ता इसे इकोलॉजिकल आपदा बता रहे हैं। पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों के नेताओं ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। पर्यावरणविदों का तर्क है कि अरावली रेंज में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों में खनन की मंजूरी मिलने से इन पर्वतमालाओं के अस्तित्व खत्म होने का खतरा पैदा हो गया है। वहीं, केंद्र का कहना है कि यह गलतफहमी है और संरक्षण बरकरार रहेगा।

संपादकीय

बांग्लादेश से सतर्क रहने का समय

किसी भी परिस्थिति के लिए रहना होगा तैयार

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से अशांति जारी है, जहाँ मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के बावजूद भारत विरोधी भावनाएँ और हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं। लेख यूनुस की इन मुद्दों पर उदासीनता और पाकिस्तान-चीन से बढ़ते संबंधों पर प्रकाश डालता है, जिससे भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक हितों के लिए गंभीर चिंताएँ पैदा हो रही हैं। भारत को अपनी कूटनीति पर पुनर्विचार करना होगा।

बांग्लादेश में पिछले वर्ष जुलाई में शेख हसीना सरकार के खिलाफ छेड़े गए छात्र आंदोलन से अशांति और अस्थिरता का जो दौर शुरू हुआ,वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस आंदोलन के चलते शेख हसीना को सत्ता से बाहर होना पड़ा और उन्हें जान बचाने के लिए भारत में शरण लेनी पड़ी। उनके तख्तापलट के बाद सेना के हस्तक्षेप से वहां बनी अंतरिम सरकार की कमान जब नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने संभाली तो माना यह गया था कि वे अशांति और अस्थिरता दूर कर वहां बन रहे भारत विरोधी माहौल पर भी लगाम लगाने का काम करेंगे,लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं किया। 16 माह बाद भी बांग्लादेश अशांत एवं अस्थिर है और वहां भारत विरोधी तत्व भी बेलगाम हैं। पिछले दिनों वहां जब एक कट्टरपंथी छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या कर दी गई तो यह अफवाह फैलाई गई कि उसका हत्यारा भारत भाग गया है। उसके साथ-साथ शेख हसीना को भी सौंपने की मांग कर वहां नए सिरे से भारत विरोधी माहौल बनाया जाने लगा। इसी माहौल में वहां एक हिंदू युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई और फिर उसके शव को सबके सामने जला दिया गया। इसके बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि छात्र नेता के हत्यारे के भारत भाग जाने की कहीं कोई सूचना नहीं।

इसके बाद भी वहां भारत विरोधी तत्व उत्पात मचा रहे हैं। वे भारत के उच्चायोग को निशाना बनाने की कोशिश करने के साथ हिंदुओं पर हमले करने में लगे हुए हैं, जबकि हादी के भाई ने उसकी हत्या के लिए मोहम्मद यूनुस सरकार को ही कठघरे में खड़ा किया है। बीते दिनों वहां एक और हिंदू युवक की हत्या कर दी गई। इसके अलावा हिंदुओं के घरों में आगजनी की जा रही है। इसी तरह की घटनाएं तब भी हुई थीं,जब शेख हसीना का तख्तापलटा गया था। भारत और बांग्लादेश के बीच बिगड़ते संबंधों के बीच वहां के सबसे बड़े राजनीतिक दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान जिया का 17 साल बाद लंदन से लौटना एक बड़ा घटनाक्रम है। वह पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे हैं। इस समय खालिदा जिया गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पताल में हैं। यदि फरवरी में होने वाले आम चुनावों में बीएनपी जीत हासिल करती है तो तारिक रहमान देश की कमान संभाल सकते हैं,लेकिन इन चुनावों का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष कहना कठिन है।

इसका बड़ा कारण यह है कि अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित कर उसे चुनाव लड़ने से रोक दिया है। इतना ही नहीं, उस जमाते इस्लामी को चुनाव लड़ने दिया जा रहा है, जिस पर शेख हसीना ने इसलिए प्रतिबंध लगा रखा था, क्योंकि वह पाकिस्तान समर्थक है। जमात ने बांग्लादेश की लड़ाई के समय पाकिस्तान का साथ दिया था। जमाते इस्लामी के साथ ही बांग्लादेश में अन्य ऐसे कट्टरपंथी तत्व बेलगाम हैं, जो भारत विरोध के साथ हिंदुओं पर दमन के लिए कुख्यात हैं। मोहम्मद यूनुस उन पर लगाम लगाने की कहीं कोई कोशिश करते दिख नहीं दिख रहे हैं। बांग्लादेश का जन्म भारत की मदद से हुआ था। वहां लंबे समय सत्ता में रहीं शेख हसीना भारत की मित्र थीं। उनके समय में दोनों देशों के संबंधों में मजबूती आई,लेकिन अब वहां भारत विरोधी माहौल है। इसका बड़ा कारण मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से भारत विरोधी तत्वों की अनदेखी किया जाना है। वे न तो कट्टरपंथी तत्वों पर लगाम लगाने में दिलचस्पी ले रहे हैं और न ही भारत से संबंध सुधारने में। ऐसा लगता है कि शेख हसीना के प्रति उनकी नाराजगी भारत विरोध में तब्दील हो गई है।

वे भारत की चिंताओं का समाधान करने के बजाय उन्हें बढ़ाने का काम करते दिख रहे हैं। बांग्लादेश को लेकर भारत की चिंता इसलिए और बढ़ गई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस उस पाकिस्तान से संबंध बढ़ाने में लगे हुए हैं, जिसने वहां के लोगों पर कहर ढाया था। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि वे भारत को चिढ़ाने के लिए ही पाकिस्तान को अहमियत दे रहे हैं।

बांग्लादेश में केवल पाकिस्तान का ही हस्तक्षेप बढ़ता नहीं दिख रहा, चीन का प्रभाव भी बढ़ रहा है। मोहम्मद यूनुस पाकिस्तान के साथ चीन को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। उनके रवैए से लगता है भारत से दोस्ती उन्हें पसंद नहीं। भारत से संबंध सुधारने में उनकी अनिच्छा से प्रतीति होती है कि वे बांग्लादेश में भारत के खिलाफ माहौल बनाने के लिए कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय ताकतों को भी अवसर दे रहे हैं। ध्यान रहे शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के समय पश्चिमी ताकतों का हाथ देखा गया था। सच जो हो, भारत के लिए यह ठीक नहीं कि बांग्लादेश में पाकिस्तान के साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय ताकतों की भी भूमिका बढ़ती दिख रही है।

भारत को न केवल बांग्लादेश में खतरे का सामना कर रहे हिंदुओं के बारे में सोचना होगा,बल्कि इस देश में अपने हितों की रक्षा के लिए भी कूटनीतिक कौशल दिखाना होगा। भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए यह आवश्यक है कि बांग्लादेश में पाकिस्तान की भूमिका बढ़ने न पाए। भारत को बांग्लादेश के हालात पर गहरी निगाह रखने के साथ वहां चुनाव बाद बनने वाली किसी भी परिस्थिति के लिए अपने आप को तैयार रखना होगा।

आस्था बनाम साँसें : कबूतर,कानून और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी

भारत में आस्था अक्सर तर्क से बड़ी हो जाती है। यही कारण है कि यहाँ मंदिर के बाहर घंटियों की आवाज़ से ज़्यादा तेज़ कभी-कभी साँसों की घुटन होती है,लेकिन हम सुनना नहीं चाहते...

डॉ. सत्यवान सौरभ
बड़वा,भिवानी,हरियाणा

मुंबई की एक अदालत का हालिया फैसला–जिसमें सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना डालने पर 5000 का जुर्माना लगाया गया–इसी टकराव की एक स्पष्ट और साहसी मिसाल है। यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं,बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है जो भावुकता के नाम पर विज्ञान, कानून और सार्वजनिक स्वास्थ्य को कुचल देती है।

हमारे समाज में कबूतरों को दाना डालना पुण्य माना जाता है। सुबह-सुबह बालकनी, छत या पार्क में मुट्ठी भर दाना डालकर आत्मसंतोष पा लिया जाता है–मानो किसी बड़ी मानवता की सेवा हो गई हो। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिना परिणाम समझे किया गया कर्म सच में दया कहलाता है? चिकित्सा विज्ञान लगातार चेतावनी देता रहा है कि कबूतरों की सूखी बीट हवा में घुलकर क्रिप्टो कोकोसिस, हिस्टोप्लास्मोसिस, हाइपर सेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस और साल्मोनेला जैसी जानलेवा बीमारियाँ फैला सकती है। ये बीमारियाँ कोई काल्पनिक डर नहीं हैं,बल्कि अस्पतालों में भर्ती असली मरीज़ों की सच्ची कहानियाँ हैं। दमा,फेफड़ों के रोगी,बुजुर्ग और बच्चे–सबसे पहले इन्हीं की साँसें दांव पर लगती हैं।

मुंबई की अदालत ने इस मामले को केवल नगर निगम के आदेश के उल्लंघन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे सीधे-सीधे जनस्वास्थ्य के लिए खतरा माना। आईपीसी की धाराओं के तहत सज़ा यह संकेत देती है कि अब राज्य सिर्फ बीमारियों का इलाज नहीं करना चाहता,बल्कि बीमारी पैदा करने वाली सामाजिक आदतों को भी रोकना चाहता है। यह देश में पहली बार हुआ है कि कबूतरों को दाना डालने जैसे सामाजिक रूप से स्वीकृत कृत्य को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। यह फैसला बताता है कि कानून अब भावनाओं से नहीं, उनके प्रभावों से संवाद करेगा।

इस पूरे विवाद में सबसे असहज सवाल धर्म और परंपरा से जुड़ा है। कुछ लोग इसे आस्था पर हमला बता रहे हैं,लेकिन क्या धर्म कभी बीमारी फैलाने की अनुमति देता है? क्या किसी भी धार्मिक ग्रंथ में यह लिखा है कि पुण्य कमाने के लिए दूसरों की जान जोखिम में डाल दी जाए? खुद सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियाँ साफ़ कह चुकी हैं कि कबूतरों को दाना खिलाना कोई धार्मिक अनिवार्यता नहीं है,फिर भी विरोध जारी है। दरअसल यह विरोध आस्था का नहीं,जिद का है–अपनी आदतें न बदलने की जिद।

शहर अब गाँव नहीं रहे। घनी आबादी, ऊँची इमारतें,सीमित हवा और साझा स्थानों के बीच एक छोटी सी लापरवाही बड़े संकट में बदल जाती है। बालकनी में डाला गया दाना सिर्फ कबूतरों को नहीं बुलाता, बल्कि उनके साथ बीमारी,गंदगी और संक्रमण की पूरी श्रृंखला भी खड़ी कर देता है। विडंबना यह है कि वही लोग जो मास्क, वैक्सीन और वैज्ञानिक चेतावनियों पर सवाल उठाते हैं,वे पुण्य के नाम पर शहरों को जैविक कचरे का अड्डा बना देते हैं। इस बहस में यह स्पष्ट कर देना ज़रूरी है कि कबूतर दोषी नहीं हैं। वे तो अपने स्वभाव के अनुसार जी रहे हैं। दोषी हम हैं–हमारी अवैज्ञानिक भावुकता,हमारी सुविधा की आस्था और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी। अगर सच में दया करनी है तो नियंत्रित,सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीकों से कीजिए–पशु कल्याण संगठनों के माध्यम से,खुले सार्वजनिक स्थलों पर नहीं।

मुंबई अदालत का यह फैसला हमें साफ़ संदेश देता है कि आस्था निजी हो सकती है,लेकिन उसका असर सार्वजनिक जीवन को बीमार नहीं कर सकता। दया का मतलब नुकसान पहुँचाना नहीं होता और कानून अब इस फर्क को समझने लगा है। यह फैसला सिर्फ एक शहर या एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है कि अगर हमने समय रहते अपनी आदतें नहीं बदलीं,तो आने वाले समय में आस्था भी अदालत के कटघरे में खड़ी होगी।

आज ज़रूरत इस बात की है कि हम पुण्य को नए सिरे से परिभाषित करें। वह कर्म पुण्य नहीं हो सकता जो किसी बच्चे की साँस छीन ले। वह आस्था पवित्र नहीं हो सकती जो अस्पतालों की कतारें बढ़ा दे। मुंबई अदालत का यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि बेहिसाब भावुकता के खिलाफ है। यह याद दिलाने के लिए कि इंसान होने की पहली शर्त है–दूसरे इंसान की ज़िंदगी का ख़याल। अगर आस्था सच में सच्ची है,तो उसे विज्ञान से डर नहीं लगेगा।

खौफनाक नारेबाजी पर सख्ती जरूरी

भारत की संप्रभता को सीधी चुनौती देने वालों पर राजद्रोह लगाना उचित

संध्या जैन

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी भी तरह की मनमानी स्वीकार्य नहीं हो सकती। याद रहे कि भड़काऊ,कपटपूर्ण और उकसाने वाली बातों पर प्रतिबंध ही सभ्यता की आधारशिला है। ऐसे प्रतिबंध नागरिकों के मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए अनिवार्य हैं और राष्ट्रीय संप्रभुता की नींव भी इन्हीं पर टिकी होती है। भारतीय संविधान सभा ने प्रारंभ में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर किसी प्रकार की पाबंदी को अस्वीकार किया था,क्योंकि यह स्वराज की मांग का मूल तत्व माना जाता था।

देश में समय-समय पर राजद्रोह कानून को लेकर चर्चा होती रहती है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार राजद्रोह कानून का प्रयोग ऐसे उकसावे वाली नारेबाजी के मामले में किया गया, जो अंततः राज्य की सत्ता को चुनौती देते हैं। इसी संदर्भ में बीते दिनों इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अरुण कुमार देशवाल का एक निर्णय चर्चा के केंद्र में है। न्यायमूर्ति यादव ने 'गुस्ताख-ए-नबी की एक ही सजा, सर तन से जुदा' जैसे नारे को लेकर कहा कि यह लोगों को हिंसक विद्रोह के लिए भड़काने की मंशा से जुड़ा है, जो भारत की संप्रभता को सीधी

चुनौती देता है, इसलिए इस पर राजद्रोह का आरोप लगाना उचित ही है।

यह मामला बरेली में इस साल 26 सितंबर की एक घटना से जुड़ा हुआ है। आल इंडिया इत्तेफाक मिन्नत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौसीफ रजा ने उस दिन जुमे की नमाज के बाद शहर के इस्लामिया इंटर कालेज में एक कार्यक्रम आयोजित किया। उसमें मुस्लिम युवाओं के खिलाफ कथित अत्याचारों और झूठे मामलों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। पुलिस ने आयोजकों को सूचित किया कि इस प्रकार का कार्यक्रम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता यानी बीएनएसएस, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधित है।

प्रशासन के इस हस्तक्षेप से उत्तेजित भीड़ ने पत्थरबाजी,फायरिंग से लेकर पेट्रोल बम तक फेंकने शुरू कर दिए। उसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए और सार्वजनिक तथा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा। इस दौरान उत्तेजित भीड़ 'गुस्ताख-ए-नबी की एक ही सजा,सर तन से जुदा' का नारा भी लगाती रही। काउंसिल के नेता नदीम खान ने भी प्रतिबंधात्मक आदेशों के बावजूद इस्लामिया इंटर कालेज की ओर कूच करने के लिए लोगों को उकसाया। लगभग पांच सौ लोग उनके घर पर इकठ्ठा हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की,जिसमें इस्लाम के नबी के अपमान से जुड़ा विवादास्पद नारा भी शामिल था।

सार्वजनिक व्यवस्था में गतिरोध पैदा करने के लिए नागरिकों को उकसाना राष्ट्र के सामाजिक ताने-बाने को खतरे में डालता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का यह अर्थ नहीं कि इससे लोगों को कानून को चुनौती देने और दूसरों के प्रति हिंसा एवं उन्हें गंभीर चोट पहुंचाने का लाइसेंस मिल जाता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार ऐसी नारेबाजी के आरोपितों से स्पष्ट होता है कि भारतीय कानून एवं व्यवस्था के प्रति उनके मन में कोई सम्मान नहीं। ऐसा इसलिए, क्योंकि यदि किसी धर्म,पंथ या मजहब के आराध्य का अपमान होता है तो यह भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस की धारा 152 और अन्य धाराओं के अंतर्गत दंडनीय है।

संगठित अपराध के तंत्र पर लगेगी लगाम

एनआईए के डेटाबेस से एजेंसियों को मिलेगी मदद

स्वराज श्रीवास्तव

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में आतंकवाद रोधी सम्मेलन में संगठित अपराध तंत्र का डेटाबेस जारी किया। इसमें आतंकी संगठनों,गैंगस्टरों और हथियारों का विवरण है,जिसका उद्देश्य आतंकवादियों और माफिया के बढ़ते गठजोड़ से निपटना है। यह डेटाबेस सभी सुरक्षा एजेंसियों को उपलब्ध होगा,जिससे संगठित अपराध और आतंकवाद से प्रभावी ढंग से लड़ा जा सके। अदालतों को भी मामलों का शीघ्र निपटारा करना चाहिए।

दिल्ली में आयोजित आतंकवाद रोधी सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संगठित अपराध तंत्र का जो डाटाबेस जारी किया, वह समय की मांग के अनुरूप है। इस डाटाबेस में देश में सक्रिय आतंकी संगठनों और गैंगस्टरों का कच्चा-चिट्ठा है। इसमें गुम और बरामद हथियारों का भी विवरण है। इसे इसलिए तैयार किया गया है,क्योंकि आतंकी संगठनों और माफिया सरीखे अपराधियों के गिरोहों के बीच साठगांठ बढ़ती चली जा रही है।

कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनसे यह इंगित हुआ कि आतंकियों को किसी न किसी स्तर पर अपराधियों का सहयोग मिला। आम तौर पर आतंकी अपनी गतिविधियों को अंजाम देने में तभी सफल हो पाते हैं,जब उन्हें स्थानीय स्तर पर किसी तरह की मदद मिलती है। यह किसी से छिपा नहीं कि अब आतंकी और गैंगस्टर हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी करने लगे हैं। सीमा पार से ऐसे हथियार आ रहे हैं, जो आतंकियों के साथ बड़े अपराधियों तक भी पहुंच रहे हैं।

कुछ समय पहले ऐसे एक गिरोह का भंडाफोड़ भी किया गया था, जो सीमा पार से आए हथियारों को अपराधियों तक पहुंचाता था। एनआईए की ओर से तैयार उक्त डेटाबेस सभी राज्यों की पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को उपलब्ध होगा। आशा की जा रही है कि इससे आतंकवाद और संगठित अपराध से मिलकर निपटने में सफलता मिलेगी, लेकिन उचित होगा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसा वास्तव में हो। यह इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भी है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए जो कुछ भी संभव हो,किया जाना चाहिए।

एक ओर जहां आतंकियों के दुस्साहस का दमन किए जाने की सख्त जरूरत है,वहीं दूसरी ओर बड़े अपराधियों पर भी लगाम लगाने की आवश्यकता है। यह ठीक नहीं कि कुछ अपराधी जेल में रहकर भी अपनी गतिविधियां चलाते रहते हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, इसके कारणों का पता लगाकर उनका निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। यह सही है कि केंद्र सरकार आतंकवाद का सामना करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसकी इस प्रतिबद्धता के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं,लेकिन आतंकी खतरे को कम करने के लिए अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है, क्योंकि वे अपने तौर-तरीके बदलने के साथ आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

आवश्यक केवल यह नहीं कि आतंकी संगठनों और अपराधियों की टोह लेने का काम और कुशलता से किया जाए, बल्कि इसकी भी है कि अदालतें आतंकवाद के मामलों का निपटारा करने में शीघ्रता का परिचय दें। कई ऐसे मामले हैं, जिनमें आतंकियों को सजा सुनाने में जरूरत से ज्यादा देरी हुई। जब ऐसा होता है तो आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर सवाल उठते हैं। आतंकवाद एक ऐसा खतरा है, जिस पर चौतरफा प्रहार किया जाना चाहिए।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

–सम्पादक

आत्मचिंतन की पारदर्शी राह

डॉ.मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज
हरदा मध्य प्रदेश

नया वर्ष सिर्फ़ तारीख़ नहीं बल्कि नई सोच का अवसर है...

दोस्त,कैलेंडर के पन्ने पलटेंगे, बाजारों में चमक-धमक बढ़ेगी, रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ेंगे,संकल्प लिए जाएंगे,जिम जॉइन करना, वजन घटाना,नई वस्त्र खरीदना, नया फ़ोन लाना, लेकिन क्या सोच रहे हो कि नया साल आयेगा तो सब नया हो जाएगा? क्या तुम अपने बारे में नहीं सोच रहे? तुम्हे भी तो बदलना चाहिए,लेकिन कैसे? क्यों? क्या नए वर्ष में सब नया होगा?नहीं दोस्त,दोस्त भी पुराने होंगे,हम भी पुराने रहेंगे, लेकिन क्या सोचा है कि हमारी सोच भी पारदर्शी होगी,दिलों में कोई मेल नहीं होगा,कोई छल-कपट नहीं बचेगा? यह सवाल हर आम आदमी से है,हर गली-मोहल्ले के उस भाई-बहन से जो सुबह चाय की चुस्की लेते हुए अख़बार पढ़ता है और सोचता है कि कब बदलेगा ये देश,कब आएगा स्वर्णिम युग? लेकिन सच तो यह है कि बाहर की दुनिया तब तक नहीं बदलेगी जब तक हम अंदर से न बदलें,जब तक हमारी सोच के बादल न साफ़ हों, जब तक दिल की नदियां पारदर्शी न हो जाएं। चलो इस नए वर्ष में कुछ नई सीख लें जो जिंदगी को सचमुच बदल दें,जो हमें नई राह दिखाएं,जो हमें सिखाएं कि बदलाव का पहला क़दम खुद से उठाना पड़ता है। सबसे पहली सीख है आत्मचिंतन करो,रोज रात को 10 मिनट अकेले बैठो, आंखें बंद करो,गहरी सांस लो और पूछो खुद से,आज क्या ग़लत सोचा? किससे मन में कड़वाहट रखी? क्यों वो पुरानी बात आज भी साल रही है? जैसे नदी का पानी साफ़ हो तो ही उसका बहाव सुंदर लगता है,वैसे ही पारदर्शी सोच से रिश्ते मज़बूत होंगे,ऑफ़िस में बॉस से झगड़ा हो गया तो कल

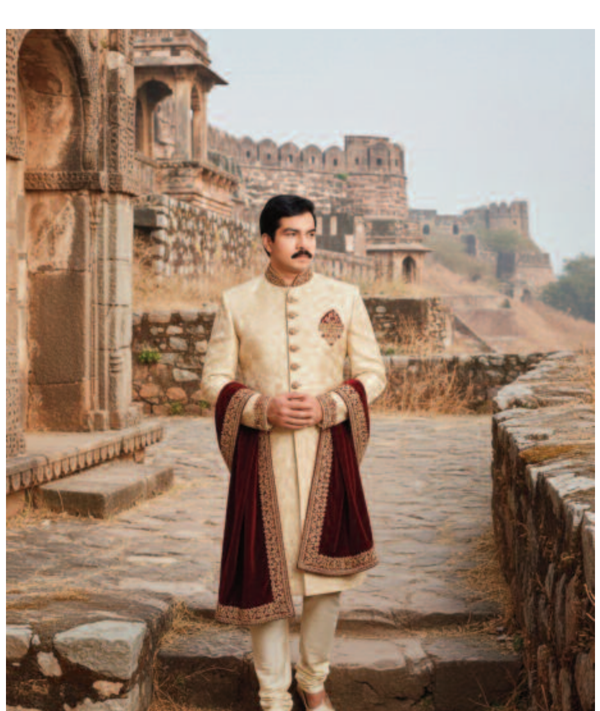

फ़िर वही नाराज़गी मत ले जाना, माफ़ कर दो,बोल दो दिल की बात, कह दो भाई मैं ग़लत था, चलो नई शुरुआत करें,देखना नया वर्ष नई दोस्ती बनेगी। दूसरी सीख है कार्य में परिवर्तन लाओ,नए साल के संकल्प बड़े मत बनाओ क्योंकि वे टूट जाते हैं और निराशा होती है,छोटे क़दम उठाओ जो रोज़ निभा सको सुबह 5 मिनट अनुलोम-विलोम प्राणायाम करो, आयुर्वेद कहता है कि यह मन की अशुद्धियां दूर करता है, शरीर की विषाक्तता निकालता है,फिर एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू और शहद मिलाकर पियो,यह नई ऊर्जा देगा,फिर एक पुराने दोस्त को फ़ोन करो जिससे सालों से बोलचाल बंद है,कहो भाई याद आ गया, माफ़ी मांगो या सिर्फ पूछो हाल-चाल,दिलों का मेल जोड़ेगा। तीसरी सीख है पारदर्शिता का जादू अपनाओ,झूठ मत बोलो चाहे छोटा ही क्यों न हो,भावनाएं खुलकर व्यक्त करो,घर में पत्नी से झगड़ा हो तो चिल्लाओ मत,बैठो कहो दिल की बात सुनो,बच्चे देखेंगे सीखेंगे,मोहल्ले में पड़ोसी से विवाद हो तो अदालत मत जाओ पहले बात करो, समझो उनकी मज़बूरी,यही तो पारदर्शिता है जो समाज को जोड़ेगी। चौथी सीख है प्रकृति से सीखो,नए वर्ष में पार्क जाओ,पेड़ों को देखो कैसे पुराने पत्ते झड़ते हैं नए आते हैं,तुम भी पुरानी नकारात्मक आदतें झाड़ दो सोशल मीडिया पर नकारात्मक पोस्ट मत शेयर करो,सकारात्मक सोच फ़ैलाओ, कोई भजन सुनो जैसे मोहम्मद रफ़ी साहब का सुकून मिला तुझे जहां में आकर, यह दिल को शांति देगा। पांचवीं सीख है संतों की बात याद रखो, स्वामी विवेकानंद ने कहा था उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो,लेकिन लक्ष्य क्या? पहले खुद का सुधार, गांधीजी ने कहा हमें वो बदलाव बनना चाहिए जो हम दुनिया में देखना चाहते हैं, तो पहले खुद बनो वो बदलाव। छठी सीख है परिवार से शुरू करो,नए वर्ष की पहली सुबह पूरे परिवार को बिठाओ,संकल्प लो साथ में कोई मीठा न खाएं बिना व्यायाम के, कोई टीवी ज्यादा न देखें बिना किताब पढ़े, बच्चे कहानी सुनें महाभारत की या रामायण की जो नैतिकता सिखाए। सातवीं सीख है योग और आयुर्वेद को अपनाओ, सरस्वती वंदना करो सुबह,सूर्य नमस्कार करो 5 चक्र,यह न केवल शरीर को मजबूत बनाएगा बल्कि मन को पारदर्शी करेगा, आयुर्वेदिक चाय पियो तुलसी-अदरक वाली जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी। आठवीं सीख है माफ़ करना सीखो, पुरानी कटुता को क्षमा करो, जैसे भगवान राम ने रावण को माफ़ करने की सोच रखी थी,वैसे तुम भी दुश्मन को दुश्मन मत मानो,प्रार्थना करो उसके लिए। नौवीं सीख है लेखन करो डायरी में रोज़ तीन अच्छी बातें जो हुईं,तीन ऐसी जिन्हें सुधारना है,यह सोच को साफ़ करेगा। दसवीं और अंतिम सीख है विश्वास रखो खुद पर,नया वर्ष सिर्फ़ तारीख़ नहीं बल्कि नई सोच का अवसर है,पुराने हम को अलविदा कहो,नए खुद को गढ़ो, पारदर्शी सोच साफ़ दिल यही असली बदलाव है,चलो इस नए वर्ष में वादा करें हम बदलेंगे तो दुनिया बदलेगी,राष्ट्र बदलेगा, खुशहाली आएगी, जय हिंद।

सरगुजा की आकांक्षा टोप्पो की गिरफ्तारी...एक इन्फ्लुएंसर, अभिव्यक्ति की आजादी और गरमाती प्रदेश की राजनीति

-न्यूज डेस्क-
सरगुजा/अंबिकापुर,28 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सोशल मीडिया के ज़रिये अपनी बात रखने वाली सरगुजा की युवा इन्फ्लुएंसर आकांक्षा टोप्पो की हालिया गिरफ्तारी ने न केवल डिजिटल दुनिया में,बल्कि छत्तीसगढ़ की सियासत में भी हलचल मचा दी है,यह मामला अब महज़ एक पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा,बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सत्ता की आलोचना और लोकतांत्रिक मूल्यों पर बहस का केंद्र बन चुका है। सरगुजा की आकांक्षा टोप्पो की गिरफ्तारी सिर्फ एक इन्फ्लुएंसर की कानूनी परेशानी नहीं, बल्कि यह सवाल है कि लोकतंत्र में सवाल पूछने की जगह कितनी सुरक्षित है,यह मामला सत्ता, समाज और सोशल मीडिया–तीनों के लिए आत्ममंथन का अवसर है, आने वाला समय बताएगा कि छत्तीसगढ़ की राजनीति इस बहस से संवाद और सहिष्णुता की ओर बढ़ती है या टकराव और दमन की ओर।

कौन हैं आकांक्षा टोप्पो?

आकांक्षा टोप्पो सरगुजा अंचल की रहने वाली एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर/यूट्यूबर हैं,वे अपने वीडियो और पोस्ट्स के माध्यम से स्थानीय मुद्दों,सामाजिक सवालों और राजनीतिक घटनाक्रमों पर बेबाक राय रखती रही हैं,आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाली आकांक्षा ने कम समय में सोशल मीडिया पर अच्छी-खासी पहचान बनाई और खासकर युवाओं के बीच उनकी आवाज़ सुनी जाने लगी।

गिरफ्तारी के बाद गरमाई प्रदेश की राजनीति : आकांक्षा टोप्पो की गिरफ्तारी के साथ ही प्रदेश की राजनीति में तीखी प्रतिक्रियाएँ सामने आई,छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने इस कार्रवाई को 'लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला' बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया, कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार आलोचना से डरकर दमनकारी रवैया अपना रही है और सोशल मीडिया पर सवाल उठाने वालों को दबाने की कोशिश की जा रही है, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यदि सत्ता में बैठे लोगों की आलोचना करना अपराध बन जाएगा, तो लोकतंत्र का मूल स्वरूप ही खतरे में पड़ जाएगा। वहीं, भाजपा समर्थकों और सरकार के पक्ष से यह तर्क दिया गया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी को भी अपमानजनक और असंयमित भाषा इस्तेमाल करने की छूट नहीं दी जा सकती।

गिरफ्तारी का मामलाः क्या है पूरा घटनाक्रम?

हाल ही में आकांक्षा टोप्पो ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे वीडियो/बयान साझा किए, जिनमें प्रदेश के एक मंत्री और एक विधायक को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का आरोप लगा, शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और कार्रवाई करते हुए आकांक्षा टोप्पो को गिरफ्तार किया गया,पुलिस का कहना है कि वीडियो में की गई टिप्पणियाँ मर्यादाहीन और भ्रामक थीं, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती थी। वहीं, समर्थकों का तर्क है कि यह एक राजनीतिक आलोचना थी,जिसे अपराध का रूप दे दिया गया, गिरफ्तारी के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत आकांक्षा को जमानत/मुचलके पर रिहा किया गया, लेकिन मामला अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है।

अभिव्यक्ति की आजादी बनाम मर्यादा की बहस

यह मामला एक बार फिर उस रेखा को लेकर बहस छेड़ता है,जहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानूनी/सामाजिक मर्यादा आमने-सामने खड़ी दिखती हैं, समर्थकों का मानना है कि आकांक्षा टोप्पो ने वही कहा,जो कई लोग सोचते हैं लेकिन कह नहीं पाते,विरोधियों का कहना है कि आलोचना होनी चाहिए, लेकिन भाषा और तथ्य की मर्यादा के साथ।

इन्फ्लुएंसर संस्कृति और बढ़ती जिम्मेदारी

आकांक्षा टोप्पो का मामला यह भी दिखाता है कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की पहुंच और असर अब इतना बढ़ चुका है कि उनके शब्द सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव डाल सकते हैं,ऐसे में इन्फ्लुएंसर्स पर जिम्मेदारी भी बढ़ती है, वहीं सत्ता पर यह जिम्मेदारी भी बनती है कि आलोचना को दमन नहीं, संवाद से जवाब दे।

आगे क्या?

फिलहाल मामला न्यायिक प्रक्रिया में है, आने वाले दिनों में—जांच की दिशा,अदालत का रुख और राजनीतिक दबाव यह तय करेंगे कि यह प्रकरण एक चेतावनी बनकर रह जाएगा या अभिव्यक्ति की आजादी पर एक नजीर।

कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर परिचर्चा आयोजित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने आज राजीव भवन में पार्टी का ध्वजारोहण किया और एक परिचर्चा आयोजित की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री सुरेन्द्र गुप्ता ने पार्टी का ध्वज फहराया। कार्यक्रम की शुरुआत में श्री गुप्ता और श्री विमलेश सिंह को शाल-श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। परिचर्चा में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं को पार्टी के इतिहास और महात्मा गांधी द्वारा दिए गए सत्याग्रह की शक्ति के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि आज देश की सरकार गरीब,किसान,नौजवान, महिला, दलित, आदिवासी और छोटे व्यापारी सभी को वही प्रताडऩा दे रही है,जैसी अंग्रेजों ने दी थी। ऐसे में देश को बचाने के लिए कांग्रेस को गांधीजी के सत्याग्रह के अस्त्र को पुनः अपनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान सुरेन्द्र गुप्ता ने कार्यकर्ताओं का हौंसला बढ़ाते हुए कहा कि परिस्थितियां विपरीत हो सकती हैं,लेकिन कांग्रेस ऐसे समय में ही निखरती है और देश को बचाने में सफल होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट संघर्ष पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता विमलेश सिंह ने कांग्रेस की विचारधारा को स्थायी बताया और कहा कि कोई भी फासीवादी विचारधारा इसे मिटा नहीं सकती। उन्होंने अपने नेतृत्व और युवा कार्यकर्ताओं के जोश पर विश्वास जताया, जो देश को पुनः एकजुट करने में सक्षम हैं। पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि आज देश में फासीवादी ताकतें वही परिस्थितियां उत्पन्न कर रही हैं,जो अंग्रेजों ने बनाई थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस आड़ में देश के मूल निवासियों के जल,जंगल, जमीन को लूटा जा रहा है और उनकी संपत्तियां पूंजीपतियों को सौंप दी जा रही हैं। कांग्रेस अपने संघर्ष के माध्यम से इस भ्रष्टाचार और शोषण को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सभी विचारधाराओं को एकजुट किया था,जबकि अब भाजपा देश में विभाजन की नीति अपना रही है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह महिला अपराधों में संलिप्त अपने नेताओं को बचा रही है और देश के संसाधनों को अपने व्यापारी मित्रों को लूटने दे रही है। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा शोषण के खिलाफ और मानवता के उत्थान के लिए कार्य करती रही है। आज जब चुनाव जीतने के लिए विभाजन की नीति अपनाई जा रही है, कांग्रेस फिर से एकजुट होकर इसका मुकाबला करने के लिए तैयार है। पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस देश की ऐतिहासिक धरोहर है,और हमें गर्व है कि हम इसके विचारधारा से जुडक़र कार्य कर रहे हैं। इस विचारधारा के द्वारा ही देश की बहुलता को एकजुट रखा जा सकता है। परिचर्चा को ए.पी. सांडिल्य, लक्ष्मी गुप्ता और आतिश शुक्ला ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लोकेश कुमार ने किया।

अंबिकापुर में कड़ाके की ठंड का फायदा उठाकर बड़ी चोरी,नकदी व जेवरात पार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत महामाया वार्ड के जरहागढ़ इलाके में शनिवार रात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने घर में सो रहे ससुर और बहू की मौजूदगी के बावजूद बेखौफ होकर नकदी और कीमती जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की जानकारी रविवार सुबह करीब पांच बजे तब हुई,जब बहू शौच के लिए उठी और घर के कमरों के दरवाजे खुले मिले। प्राप्त जानकारी के अनुसार,पीड़िता यासमीन खातून अपने ससुर के साथ उक्त मकान में रहती हैं। उनके पति वाहन चालक हैं और शनिवार को सवारी लेकर झारखंड के नेतरहाट गए हुए थे। वहीं,जेठ और जेठानी भी किसी काम से बाहर गए थे। घर के फर्स्ट फ्लोर पर रहने वाली ननद स्कूल में छुट्टी होने के कारण अपने बच्चों के साथ मायके गई हुई थी। इस प्रकार घटना की रात घर में केवल यासमीन खातून और उनके ससुर ही मौजूद थे। शनिवार रात दोनों ने भोजन करने के बाद अपने-अपने कमरे में सो गए। रविवार सुबह करीब पांच बजे यासमीन खातून की नींद खुली तो उन्होंने देखा कि कमरों के दरवाजे खुले हुए हैं। यह देखकर वह घबरा गईं। जब उन्होंने घर के अन्य कमरों की जांच की तो पाया कि सभी कमरों की अलमारियों के ताले टूटे हुए हैं और सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर पता चला कि दो कमरों से लगभग 50 हजार रुपए नकद और करीब पांच लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी हो चुके हैं। पीड़िता ने बताया कि नीचे स्थित जेठानी के कमरे और ऊपर ननद के कमरे की अलमारियों को भी चोरों ने निशाना बनाया। इन कमरों से भी कीमती जेवरात चोरी कर लिए गए हैं। चोरों ने बेहद शांति और योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दिया,जिससे घर में सो रहे किसी भी सदस्य को भनक तक नहीं लगी। यासमीन खातून ने आशंका जताई है कि चोर घर के पीछे के रास्ते से खिडक़ी के सहारे छत पर चढ़े और फिर नीचे उतरकर घर में दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने एक-एक कर कमरों की अलमारियों के ताले तोडक़र चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मुआयना किया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। गौरतलब है कि अंबिकापुर में पिछले कई दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शीतलहर के चलते तापमान चार डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। ठंड के कारण रात के समय लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। इसी का फायदा उठाकर चोर सक्रिय हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठंड के चलते पुलिस गश्त में भी कमी आई है, जिससे चोरी की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं और लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों का सुराग लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

शहरी सामु.स्वा. केन्द्र नवापारा में दवा खरीदी के मामले में प्राप्त शिकायत पर हुई जांच

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहरी सामु.स्वा. केंद्र नवापारा में दवा खरीदी के मामले में प्राप्त शिकायत पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा 23 अक्टूबर 2025 को 06 सदस्य जाँच समिति का गठन किया गया था। जाँच समिति के द्वारा प्रकरण पर जांच कर जांच प्रतिवेदन 19 नवंबर 2025 प्रस्तुत किया गया था। जांच प्रतिवेदन अविलंब 25 नवंबर 2025 को संभागीय संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य सेवाये सरगुजा कार्यालय को प्रेषित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि प्रकाशित खबर 'सीएमएचओ को जाँच के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्देश के बाद भी अब तक जांच नहीं की गई है' सीएमएचओ से प्राप्त जानकारी अनुसार 01 दिसंबर 2025 संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवायें सरगुजा द्वारा प्रेषित पत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 में क्रय समिति के प्रभारी कर्मचारी/अधिकारी का नाम व पदनाम के सबंध में जानकारी चाही गई है जिसे संबंधित कार्यालय को प्रेषित कर जानकारी की मांग की गई है।

लखनपुर सामुदायिक भवन में कांग्रेस का 140 वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया,वोट और संविधान बचाने ली शपथ

-संवाददाता-
लखनपुर,28 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने 140 वा स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। कांग्रेश प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सामुदायिक भवन लखनपुर 28 दिसंबर दिन रविवार को कांग्रेस के 140 वा स्थापना दिवस को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम कांग्रेस के सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष,बीएलए सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के मौके पर कांग्रेसियों ने वोट और संविधान बचाने की शपथ ली। कांग्रेस के वक्ताओं ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा त्याग और बलिदान की यात्रा निरन्तर देश की एकता और प्रगति के लिए समर्पित हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को बूथ लेबल में मजबूती प्रदान करने का कार्य करते हुए वोट और संविधान बचाने की लड़ाई जारी रहेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एस आई आर) के संबंध में समस्त विकासखंड के बीएलए से जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए एवं कांग्रेस कमेटी के द्वारा संकल्प लिया गया कि बाबा साहेब अंबेडकर के द्वारा रचित संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्य के रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे वह बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करेंगे और जन-जन तक कांग्रेस की विचारधारा और इतिहास को बताएंगे,केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने पर भी कांग्रेस के सदस्यों द्वारा विरोध जताया गया।

कार्यक्रम में विक्रमादित्य सिंह देव, ब्लॉक अध्यक्ष कृपा शंकर गुप्ता, कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष अमित सिंह देव, वीरेंद्र सिंह देव,रमेश जायसवाल, मुजीब खान, इरशाद खान,मकसूद हुसैन,मुकेश सिंह,अजहर राम चौधरी,जागरोपण यादव,राम सूजान द्विवेदी, अशफाक खान,बबलू मझवर, बघोलन, ईश्वर राजवाड़े,डी एन सिंह,भूखल राम,मामू प्रसाद अग्रवाल, देवधारी,रमेश साहू, नंदलाल राजवाड़े व कांग्रेस के सभी सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जशपुर से झारखंड सीमा शंख नदी तक नो ड्रोन फ्लाईंग जोन घोषित

-संवाददाता-
जशपुरनगर,28 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का मांझा टोली जिला गुमला,झारखंड के कार्यक्रम हेतु आगडीह एयर स्ट्रीप जशपुर आगमन प्रस्तावित है। आगमन कार्यक्रम के दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए 30 दिसंबर 2025 को प्रात: 05 बजे से अपराह्न 05 बजे तक जशपुरनगर से झारखंड सीमा शंख नदी तक राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ 05 कि.मी. के दायरे को नो ड्रोन फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है।

निधन

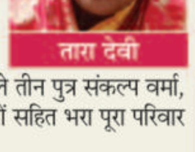
तारा देवी

अंबिकापुर। शहर के बिलासपुर चौक निवासी तारा देवी का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रही थीं। शनिवार 27 दिसंबर की रात करीब 8 बजे घर पर उन्होंने अंतिम सांसे ली। स्व. तारा देवी स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत हुई थीं। उनका अंतिम संस्कार गंगापुर स्थित मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि उनके कनिष्ठ पुत्र सौरभ वर्मा ने दी। वे अपने पिछले तीन पुत्र संकल्प वर्मा, शुभम वर्मा, सौरभ वर्मा, एक पुत्री, नाती पोतों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की जिला प्रबंध समिति की बैठक सम्पन्न

रेडक्रॉस सेवाएं गांव-गांव तक पहुंचेंगी,युवाओं को जोड़ा जाएगा

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की जिला प्रबंध समिति की बैठक आयोजित हुई, बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं अध्यक्ष एस. जयवर्धन ने की, इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी सूरजपुर के चेयरमैन बाबूलाल अग्रवाल और वाइस चेयरमैन ओंकार पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे,बैठक में रेडक्रॉस की सेवाओं को सुदृढ़ करने और उनका विस्तार गांव-गांव तक सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा हुई।

युवाओं की भागीदारी पर जोर...

कलेक्टर जयवर्धन ने कहा कि जिला प्रशासन रेडक्रॉस सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताते हुए निर्णय लिया गया कि: सभी सरकारी व निजी महाविद्यालयों में यूथ रेडक्रॉस का गठन, पंजीकरण और सदस्यता अभियान तेज किया जाएगा, प्राइमरी से हाईस्कूल स्तर तक जूनियर रेडक्रॉस यूनिट्स बनाई जाएंगी, स्कूल-कॉलेजों में फर्स्ट-एड बॉक्स उपलब्ध कराए जाएंगे और हेल्पलाइन नंबर दीवारों पर चस्पा किए जाएंगे, बृहद स्तर पर सीपीआर प्रशिक्षण आयोजित कर हजारों युवाओं को 'ट्रेंड लाइफसेवर्स' बनाया जाएगा।

आधुनिक चिकित्सा सेवाओं का विस्तार

सीएसआर फंडिंग और जिला खनिज न्यास के सहयोग से: लाइफ-सपोर्ट आईसीयू (वेंटिलेटर) एंबुलेंस, 21-सीटर बड़ी एंबुलेंस, और 2-सीटर मोबाइल ब्लड कलेक्शन यूनिट प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया, जिससे दूरदराज क्षेत्रों के गंभीर मरीजों को त्वरित व आधुनिक सुविधा मिलेगी।

आपदा प्रबंधन और पारदर्शिता : बाढ़, भारी बारिश, ओलावृष्टि और जलभराव जैसी आपदाओं के दौरान रेडक्रॉस द्वारा राहत सामग्री, प्राथमिक उपचार,एंबुलेंस और वॉलंटियर्स की सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्णय हुआ। रेडक्रॉस एवं जीवनदीप समिति की सभी एंबुलेंसों पर शुल्क सूची चिपकाने और कैशलेस भुगतान व्यवस्था शुरू करने पर भी सहमति बनी।

मेगा हेल्थ कैंप व प्रशासनिक निर्णय

जिला मुख्यालय में तीन दिवसीय आवासीय मेगा हेल्थ कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही वार्षिक बजट, आय-व्यय विवरण और ऑडिट पर चर्चा कर सभी प्रस्ताव पारित किए गए। सदस्यता बढ़ाकर वॉलंटियर नेटवर्क को सशक्त बनाने पर भी सहमति बनी,बैठक में कोषाध्यक्ष श्रवण जैन सहित प्रबंध समिति के सदस्य,संयुक्त कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.कपिल देव पैकरा,शिक्षा विभाग, फायर स्टेशन, रेडक्रॉस जिला संगठन, आजीवन सदस्य,जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

पुलिस के गिरफ्त में एक पिकअप अवैध धान

पूछताछ में आरोपियो ने कुबूले धान खरीदी में हेरा-फेरी के कई राज...

-संवाददाता-
सनावल,28 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले में धान खरीदी को लेकर प्रशासनिक मुस्तैदी ने अवैध धान बिक्री करने वाले एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार कर पुछताछ करने पर पाया कि आरोपी अवैध धान परिवहन ही करता था कूटरचित करने में माहिर निकला,पुलिस ने गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 82/2025 धारा 3,7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर रिमांड में भेजा।

गिरफ्तार आरोपीगण : जानकारी के अनुसार दिनांक 26.12.2025 को शाम लगभग 08:00 बजे राजस्व तथा पुलिस बल के द्वारा अवैध धान परिवहन करने वाले एक पिकप वाहन को दौड़ाकर पकड़ा गया वाहन चालक से पूछताछ करने पर बताया कि वह कुलूंडीह निवासी श्याम सुन्दर गुप्ता पिता श्री कृष्णकान्त प्रसाद गुप्ता उम्र 35 वर्ष के घर में अवैध धान को अनलोड़ खाली करना बताने पर उसके बताए अनुसार श्याम सुंदर गुप्ता के घर में दबिश देने पर उसके घर से अवैध धान संग्रहण करने अवैध धान बेचने संबंधी कई अवैध व कूटरचित दस्तावेज जैसे कटा हुआ चेक,लेखा जोखा पर्ची,राशि जमा पर्ची,भरा हुआ विड्रॉल फार्म, जिला सहकारी बैंक से इंडियन बैंक सुपाचुवा (उ0प्र0) का आरटीजीएस फार्म,तौल पर्ची,करीब 400 बोरी अवैध धान, चेक बुक 62 नग, किसान किताब भाग एक 46 नग,भाग- दो 59 नग, वन अधिकार पुस्तिका 02 नग,केसीसी पास बुक 19 नग, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक का पास बुक 161 नग, बड़ा डायरी 13 नग, पॉकेट डायरी 08 नग, कटा हुआ चेक 22 नग, डेली अटेडेन्स् (बिना भरे हुये) जिला सहकारी बैंक का रजिस्टर 02 नग, विड्रॉल फार्म भरा हुआ 261 नग, सामान्य हिसाब किताब एवं बिल पर्ची 550 नग, विड्रॉल फार्म कोरा (बिना भरे हुये) 01 बण्डल बैंक का जमा पर्ची एवं टोकन पर्ची 150 नग,धान खरीदी केन्द्र का तौल पर्ची 100 नग एवं तलाशी के दौरान नगद राशि 1,67100/-रूपये एवं अन्य दस्तावेज बरामद हुआ है। आरोपी श्याम सुन्दर गुप्ता पिता कृष्णकांत प्रसाद गुप्ता व शिवम कुमार गुप्ता के द्वारा किसानो के साथ छ्ल कपट कर अवैध धान का विक्रय कर शासकीय एवं किसानो की राशि का दुरूपयोग किया जाना पाए जाने पर तत्संबंध में थाना सनावल में अपराध क्रमांक 82/2025 धारा 3,7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं 318(4), 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया विवेचना के दौरान घटना स्थल निरीक्षण एवं गवाहो का कथन लिया गया तथा गवाहो के कथन के आधार पर पाया गया कि आरोपी श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा किसानों के खाता में कही दूसरे जगह का धान लाकर खरीदी केन्द्र में बिकी करता था एवं समय से पहले ही निकासी पर्ची में किसानों का अंगुठा निशान लेकर पैसा आहरण करता था इस तरह आरोपियो के द्वारा मिली भगत व छ्ल कपट कर धोखाधड़ी करता था एवं दूसरे राज्य के धान लाकर छ0ग0 मंडी में खापाता था तथा शासन को आर्थिक छती पहुँचाता था आरोपी श्याम सुन्दर गुप्ता व शिवम कुमार गुप्ता को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपना जुर्म स्वीकार करते हुए श्याम सुन्दर गुप्ता के द्वारा बताया कि उ0प्र0 से धान कम कीमत पर लाकर छ0ग0 धान खरीदी केन्द्रो में अलग अलग किसान के खातो से धान बेचता था एवं शिवम कुमार गुप्ता के द्वारा अपने भाई का समय समय पर सहयोग करता था जिसे दोनों आरोपियो के विरूद्ध पर्याप्त अपराध सबुत पाये जाने से आरोपियो को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

पिकअप वाहन में क्रूरता पूर्वक पशुओं की तस्करी करने वाले आरोपी के विरुद्ध लखनपुर पुलिस की कार्रवाई

21 नग मवेशी एवं घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन एवं आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया

-संवाददाता-
लखनपुर,28 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
प्रार्थी तत्कालीन सरपंच सुखसाय पोर्ते ग्राम कोरजा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसे दिनांक 19.09.2024 को रात्रि लगभग 09:30 बजे सूचना मिला कि गाँव के सेग्रीकेशन शेड कचरा गोदाम कैम्पस से एक पिकअप वाहन में मवेशियों को ठूँस-ठूँसकर लोड कर बुचड़खाना झारखण्ड लेकर जा रहे हैं। जानकारी पर प्रार्थी के साथ ग्रामवासी जय प्रकाश साहू,सुखदेव राजवाड़े,विनोद यादव, राकेश यादव,धनेश्वर साहू एवं रूपसाय राजवाड़े के द्वारा मिलकर रास्ता रोकने पर आरोपी पिकअप चालक पिकअप को कुछ दूर पर खड़ी करके भाग गया। जाकर देखे पिकअप में कुल 08 नग मवेशी को ठूँस-ठूँसकर गले एवं पैर में रस्सी बाँधकर क्रूरता पूर्वक लोड कर ले जा रहे थे। कुछ दूर पर सेग्रीकेशन शेड कचरा गोदाम के पास और 13 नग मवेशी थे,जिसे दूसरे पिकअप से ले जाने वाले थे। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना लखनपुर में अपराध क्र-231/24 धारा छत्तीसगढ़ राज्य कृषि पशु परीक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10, व पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 (घ) पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना दौरान मवेशी लोड पिकअप क्रमांक JH-01 FE-1923 को मौके पर जप्त किया गया। तथा उक्त कुल 21 नग मवेशियों को जप्त कर देखरेख व सुरक्षा हेतु कान्हा गोशाला केन्द्र, जमदेई को सुपुर्द किया गया है। जप्त वाहन की जानकारी परिवहन कार्यालय से प्राप्त किया गया, जो आरोपी वाहन मालिक मो. फिरोज, पिता मो. शमीम अंसारी,निवासी फुटकल टोली, सिमलिया, थाना रातू, जिला राँची के नाम पंजीबद्ध होना पाया गया। उक्त पते पर राँची जाकर वाहन स्वामी को धारा 133 एम.वी. एक्ट का नोटिस देकर घटना दिनांक को वाहन चलाने के संबंध में जानकारी प्राप्त किया गया। जवाब में वाहन स्वामी मो. फिरोज ने स्वयं वाहन चलाना लेख किया है। आरोपी चालक मो. फिरोज नोटिस के माध्यम से थाना तलब कर पूछताछ की गई, आरोपी मो. फिरोज, पिता मो. शमीम अंसारी,उम्र 30 वर्ष आजाद बस्ती हुसैन नगर गुमला झारखंड के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर विवेचना में अग्रिम कार्यवाही करते दिनांक 27/12/2025 को विधिवत गिरफ़्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सड़क चौड़ीकरण कार्य का किया शुभारंभ

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने रविवार को ग्राम महेशपुर पहुंचकर सिलफिली एनएच-43 से महेशपुर होते हुए लटोरी तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया, इस अवसर पर आयोजित पूजन कार्यक्रम में स्थानीय जन प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही।

दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं का आगाज़:-

1. सिलफिली एनएच-43-महेशपुर-लटोरी मार्ग
- लंबाई: 5.80 किमी
- कार्य: चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण
- लागत: 1269.90 लाख

2. कसलगिरी-शिवसागरपुर मार्ग
- लंबाई: 1.50 किमी
- कार्य: नवीन सड़क निर्माण
- स्वीकृत राशि: 219.17 लाख

बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत स्थानीय अर्थव्यवस्था- मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र के गांवों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, आवागमन सुगम होगा और समय-लागत की बचत के साथ स्थानीय व्यापार व रोजगार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने दोहराया कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करना प्राथमिकता है। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों और जन प्रतिनिधियों ने विकास कार्यों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण पूर्णता की उम्मीद जताई।

सनातन विरोधी भूपेश बघेल का पुतला फूंक भाजयुमो ने किया उग्र प्रदर्शन...

कांग्रेस के नेता बघेल अपने पिता की भांति सनातन विरोध की परंपरा निभा रहे हैं : जिलाध्यक्ष देव गुप्ता

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।
भारतीय जनता युवा मोर्चा ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं सनातन विरोधी भूपेश बघेल का आज सूरजपुर सहित प्रदेश भर में पुतला दहन किया। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के आव्हान पर आज भाजयुमो के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष देव गुप्ता के नेतृत्व में मुख्यालय सूरजपुर के अग्रसेन चौक में भारी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उप मुख्यमंत्री टी. एस. सिंहदेव का पुतला फूंक कर उग्र प्रदर्शन किया है। इस दौरान भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने कहा है कि सनातन धर्म का विरोध पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ कई कांग्रेसी नेताओं ने किया है। भूपेश बघेल अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा एवं पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का विरोध कर रहे है इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं को इनका विरोध करने का स्क्रीप्ट किसी ने दिया हो। उन्होंने कहा कि रामसेतु की जब बात आई तब कांग्रेसियों ने कहा कि यह काल्पनिक है, भगवान राम को कांग्रेसियों ने काल्पनिक कहा। राम मंदिर बनने और आमंत्रण मिलने के बाद भी गांधी-परिवार दर्शन करने नहीं गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष श्री गुप्ता ने कहा कि भूपेश कांग्रेस बघेल अपने पिता की भांति सनातन धर्म का अपमान और विरोध कर अपनी पारिवारिक परंपरा को निभा रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने हमेशा चाहे वह श्रीराम जी का मंदिर हो या कृष्ण जन्म भूमि लगातार इसका विरोध और अपमान कर यह साबित किया है कि इनकी विचारधारा सनातन धर्म के विपरित है। आज कांग्रेस नेता हमारे साधु-संतों का अपमान कर रहे हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा का प्रवचन सुनने और शिव-भक्ति के लिए गाँव-गाँव, गली-गली में आबाल-वृद्ध नर-नारी उमड़ते हैं। ऐसे संतों का अपमान करना उन करोडों श्रद्धालुओं की आस्था पर चोट करना है। हमें गर्व है कि पूज्य श्री धीरेंद्र शास्त्री आज देश ही नहीं विदेशों में भी जाकर सनातन का ध्वज लहरा रहे हैं भगवान बागेश्वर धाम की महिमा बता रहे हैं। उन्होंने सनातन को जागृत करने का काम किया हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि धर्मांतरण कराने वालों से दिल्ली में मुलाकात कर उन्हें संरक्षण देने वाले को सनातन धर्म एवं हमारे साधु-संतो पर बोलने का अधिकार नही है और यही कांग्रेस पार्टी जो लगातार सनातन का विरोध करती है वे अब कुछ राज्यों तक ही सीमित हो गए है और वह दिन दूर नहीं जब यह देश कांग्रेस मुक्त हो जाएगा। इस दौरान भाजयुमो के पूर्व प्रदेश महामंत्री रितेश गुप्ता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य छोटू मुकेश साहू, महामंत्री रूपेंद्र कुशवाहा, किशन देवांगन, कैलाश गुप्ता, अशोक यादव, हरिनारायण, ज्ञान प्रकाश, सहीम अंसारी, दीक्षित वर्मा, राजकुमार यादव, जीतू मानिकपुरी, पप्पू साहू, रवीन्द्र विश्वकर्मा, राहुल जयसवाल, शशांक दुबे, विष्णु सोनी, विशाल गुप्ता, देव हलदार, सोनू साहू, दिलीप साहू, हेमंत बैगा, पटेल ठाकुर , बंटी ठाकुर, सुरेंद्र गुप्ता, आदर्श यादव,घनश्याम यादव ,विभु चतुर्वेदी ,राहुल यादव,सुशील विश्वकर्मा, हर्ष गुप्ता,संतोष मानिकपूरी, आदर्श यादव,ओमप्रकाश, नरसिंह,अमन जायसवाल, संजय मानिकपूरी ,राजू जायसवाल, रणजीत सिंह, जयप्रकाश यादव, प्रियेश गुप्ता, करण सोनवानी , राजेंद्र कुशवाहा, सूरज सिंह राजपूत ओपी सिंह, राजेश राजवाड़े, प्रकार गुप्ता, सानू साहू ,प्रिंस साहू ,अमन साहू ,संदीप साहू ,जितेंद्र शर्मा ,गौरव दुबे सहित सैकड़ों की संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

मुद्रा लोन से मौज,बैंक से नुकसान...

अंदर मैनेजर...बाहर भाई ?

यह बैंक है साहब...यहाँ भरोसा नहीं,पहचान चलती है!

10 साल में सबसे ज़्यादा लोन और एनपीए,सवाल शाखा प्रबंधन पर

बैकुंठपुर यूको बैंक: नियम बाहर, नेटवर्क अंदर!

लोन पहचान पर, एनपीए जनता पर!

बैंक है या ब्याज की मंडी? यूको बैंक या अपनों का एटीएम?

नियम-विरुद्ध ऋण का अघोषित अड्डा बना बैकुंठपुर यूको बैंक?

10 साल में सबसे ज़्यादा एनपीए,बैंक के अंदर मैनेजर का राज–बाहर भाई का नेटवर्क!

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,28 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के बैकुंठपुर स्थित यूको बैंक की शाखा इन दिनों बैंकिंग सेवाओं के कारण नहीं, बल्कि नियम-विरुद्ध ऋण वितरण, बढ़ते एनपीए,भाई-भतीजावाद और सूदखोरी के संरक्षण जैसे गंभीर आरोपों को लेकर चर्चा के केंद्र में है,यह मामला कोई नया नहीं है पूर्व में 25 दिसंबर 2025 को इस विषय पर विस्तृत खबर प्रकाशित हो चुकी है,लेकिन उसके बाद भी बैंक प्रबंधन की चुप्पी और प्रशासनिक निष्क्रियता ने संदेह को और गहरा कर दिया है,अगले अंक में बताएगे दो भाइयो और कारनामे और लोन का घिनोना खेल।

बैंक के अंदर एक सत्ता, बाहर दूसरी?

शहर में चर्चा है बैंक के अंदर शाखा मैनेजर चलता है, और बैंक के बाहर उसका भाई,यदि यह चर्चा केवल अफ़वाह होती,तो इतनी शिकायतें,इतनी कहानियाँ और इतना डर कर्मचारियों के बीच नहीं दिखता,सूदखोरी का धंधा अगर बैंक के आसपास पनप रहा है,तो यह केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं,बैंकिंग व्यवस्था पर सीधा धब्बा है।

एनपीए सिर्फ नंबर नहीं,चेतावनी होते हैं...

हर एनपीए यह सवाल पूछता है किस आधार पर लोन दिया गया? कौन ज़िम्मेदार है? किसने आँखें मूँदी? लेकिन यहाँ सवाल पूछने वाले ही खामोश हैं, रीजनल ऑफिस,आरबीआई और बैंक प्रबंधन की चुप्पी सबसे बड़ा संदेह पैदा करती है।

पहले भी सवाल उठे,फिर भी सन्नाटा क्यों?

यह कोई पहला खुलासा नहीं है, 25 दिसंबर 2025 को भी यही सवाल सार्वजनिक किए गए थे, लेकिन न जवाब आया, न जांच की घोषणा हुई, न किसी तरह की कार्रवाई दिखी, यह चुप्पी बताती है कि मामला केवल एक शाखा तक सीमित नहीं हो सकता।

बड़ा सवाल

क्या बैकुंठपुर का यूको बैंक एक सार्वजनिक बैंक है या नियम-विरुद्ध ऋण वितरण और सूदखोरी का अघोषित केंद्र? यदि समय रहते रीजनल ऑफिस, आरबीआई या उच्च स्तर से जांच नहीं हुई, तो नुकसान केवल बैंक का नहीं होगा आम खाताधारकों के पैसों और सार्वजनिक विश्वास पर भी गहरा आघात लगेगा।

पत्रकारिता मानक सूचना

यह समाचार स्थानीय सूत्रों,शिकायतों एवं उपलब्ध दस्तावेजी जानकारियों पर आधारित है, संबंधित पक्षों का पक्ष प्राप्त होने पर उसे समान प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अंतिम सवाल

अगर सार्वजनिक बैंक में भी नियमों की कोई कीमत नहीं, तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? अगर आज बैकुंठपुर यूको बैंक में सवालों को दबा दिया गया, तो कल किसी और शहर में यही कहानी दोहराई जाएगी, अब यह सिर्फ बैंक का मामला नहीं, सिस्टम की परीक्षा है।

कोरिया- सूरजपुर समाचार
अम्बिकापुर, गुरुवार 25 दिसम्बर 2025
बैंक है या ब्याज की मंडी?
न्याय नहीं, ब्याज भारी है
UCO BANK
बैकुंठपुर यूको बैंक का ब्रांच मैनेजर कौन...आनंद या विशाल?
शहर में गूंजते सवाल...आरोपों की परतें और चुप्पी का संदेह...

10 साल पुरानी शाखा,सबसे ज़्यादा एनपीए-संयोग या कुप्रबंधन?

बैकुंठपुर यूको बैंक को खुले लगभग 10 वर्ष हो चुके हैं। सूत्रों के अनुसार, इन 10 वर्षों में सबसे अधिक एनपीए वर्तमान बैंक मैनेजर के कार्यकाल में दर्ज हुए हैं, बैंकिंग मानकों के अनुसार,खाते का एनपीए होना सीधे तौर पर शाखा प्रबंधन की लापरवाही,जोखिम आकलन की विफलता और निगरानी तंत्र के ढहने को दर्शाता है,सवाल सीधा है क्या यह केवल अक्षमता है या जानबूझकर आंखें मूंदकर किए गए ऋण वितरण का नतीजा?

मुद्रा लोन:रोजगार के लिए या मौज-मस्ती के लिए?

सूत्रों का दावा है कि शाखा से दिए गए कई मुद्रा लोन का उपयोग व्यवसाय के बजाय निजी खर्च,यात्राओं और विलासिता में किया गया, एक ही व्यक्ति को बार-बार और भारी-भरकम ऋण स्वीकृत किए गए, इतने कि अन्य किसी बैंक में ऐसी उदारता दुर्लभ है,स्थानीय व्यापारियों के बीच यह बात आम हो चुकी है कुछ दस्तावेज लाइए और बड़े अमाउंट का लोन ले जाइए।

बैंक के अंदर मैनेजर,बाहर भाई,दोहरी सत्ता का आरोप...

सबसे गंभीर आरोप यह है कि बैंक के अंदर शाखा मैनेजर का प्रभाव चलता है, बैंक के बाहर मैनेजर के भाई का नेटवर्क सक्रिय है सूत्रों के अनुसार,यूको बैंक के आसपास सूदखोरी का धंधा पनप रहा है,जिसे कथित तौर पर भाई का संरक्षण प्राप्त है,जिन लोगों को बैंक से ऋण दिलाने में मदद की जाती है,उनसे बाद में निजी तौर पर ऊँचे ब्याज पर पैसा वसूले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

रायपुर तक फैले सपने,बैकुंठपुर में साख दांव पर...

सूत्र यह भी बताते हैं कि बैंक मैनेजर और उनके भाई ने रायपुर में क्लब खोलने तक की योजनाएँ एक शहर के व्यापारी के साथ बनाई हैं, कथित तौर पर जिन लोगों से पैसे लिए गए,उन्हें रकम वापस नहीं की गई और वही पैसा बैंकिंग प्रभाव के सहारे आगे घुमाया गया।

स्टाफ भी दबाव और प्रताड़ना का शिकार?

शाखा से जुड़े कुछ कर्मचारियों का कहना है कि नियमों के विरुद्ध काम का दबाव,मौखिक प्रताड़ना,एकतरफा निर्णय जैसी समस्याएँ आम हैं, हालांकि कर्मचारी खुलकर सामने आने से डरते हैं,क्योंकि शाखा की पूरी निर्णय-प्रक्रिया एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द सिमटी बताई जा रही है।

पूर्व में प्रकाशित खबर, फिर भी चुप्पी क्यों?

उल्लेखनीय है कि 25 दिसंबर 2025 को इस पूरे प्रकरण को लेकर विस्तृत समाचार प्रकाशित किया जा चुका है,जिसमें नियमविरुद्ध ऋण, मुद्रा लोन गड़बड़ी,बढ़ते एनपीए,और बैंक प्रबंधन की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे, इसके बावजूद न तो बैंक प्रबंधन का कोई जवाब आया, न ही रीजनल ऑफिस, रायपुर की ओर से सार्वजनिक कार्रवाई की जानकारी सामने आई।

जांच हुई तो क्या खुलेंगे राज?

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यदि वर्तमान बैंक मैनेजर के कार्यकाल में स्वीकृत ऋणों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच हो जाए, तो दस्तावेजी खामियाँ, पात्रता मानकों की अनदेखी, जानबूझकर जोखिम भरे ऋण जैसे कई तथ्य सामने आ सकते हैं, यह भी जानकारी मिल रही है कि रीजनल ऑफिस रायपुर तक औपचारिक शिकायत दर्ज कराने की तैयारी चल रही है।

जब बैंक शाखा,बैंक नहीं 'ब्याज की मंडी' बन जाए

किसी भी सार्वजनिक बैंक की सबसे बड़ी पूंजी उसका पैसा नहीं, बल्कि जनविश्वास होता है,लेकिन बैकुंठपुर स्थित यूको बैंक शाखा से उठते सवाल यह संकेत दे रहे हैं कि यहाँ बैंकिंग नहीं, मनमानी चल रही है,10 साल पुरानी शाखा, लेकिन सबसे ज़्यादा एनपीए यह आँकड़ा महज़ संयोग नहीं हो सकता,एनपीए सिर्फ खराब किस्मत का परिणाम नहीं होता,वह खराब फैसलों,लचर निगरानी और संदिग्ध नीयत का प्रमाण होता है, सबसे खतरनाक आरोप यह नहीं है कि लोन गलत तरीके से दिए गए,सबसे खतरनाक आरोप यह है कि एक ही व्यक्ति को बार-बार,भारी भरकम लोन दिए गए,और उन पैसों का उपयोग व्यापार के बजाय मौज-मस्ती और निजी खर्चों में हुआ।

कोरबा पुलिस द्वारा अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

-संवाददाता-

कोरबा,28 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरबा पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा सार्वजनिक शांति भंग करने वाले वाहन मालिकों के विरुद्ध दिसंबर माह में एक विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत नव वर्ष 2026 के पूर्व जनसामान्य को शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करने तथा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, जिले के विभिन्न चौकियों व मुख्य मार्गों पर विशेष चेकिंग की गई। इस दौरान पुलिस दलों ने विशेष रूप से उन वाहनों पर कार्रवाई की, जिनमें अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर लगाए गए थे। ऐसे वाहनों से न केवल अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण होता है,बल्कि सड़क सुरक्षा नियमों का भी स्पष्ट उल्लंघन होता है। दिसंबर महीने के दौरान कुल 19 वाहनों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की गई है। चालान कार्यवाही के साथ-साथ,संबंधित वाहनों के साइलेंसर जब्त भी किए गए हैं। कोरबा पुलिस ने सभी वाहन मालिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार के वाहन में अवैध मॉडिफिकेशन न कराएं। नागरिकों से भी अनुरोध है कि यदि उन्हें ऐसे किसी वाहन के बारे में जानकारी मिलती है, जो शोरगुल फैला रहा है या अवैध रूप से परिवर्तित किया गया है, तो वे नजदीकी थाने अथवा ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर पर सूचना प्रदान कर सकते हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत ओड़गी में ब्लॉक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम

100 दिवसीय सघन अभियान के माध्यम से पंचायत स्तर तक पहुंचा संदेश...

-संवाददाता-

सूरजपुर,28 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को लेकर संचालित 100 दिवसीय सघन जागरूकता अभियान के अंतर्गत 26 दिसंबर 2025 को जनपद पंचायत भवन सभा कक्ष एवं मंगल भवन, ओड़गी में ब्लॉक स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम/कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति समाज को जागरूक करना और ग्राम स्तर पर गठित बाल विवाह रोकथाम समितियों को सक्रिय बनाना रहा,यह आयोजन जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर, महिला एवं बाल विकास विभाग सूरजपुर एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ, ओड़गी में आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम बाल विवाह मुक्त समाज की दिशा में एक मजबूत पहल के रूप में सामने आया, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला समूहों और प्रशासन की सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास ही सबसे प्रभावी हथियार है।

हिंसा के खिलाफ आवाज़ उठाने का आह्वान...

कार्यक्रम में चंदा सिंह, काउंसलर ने सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंसा को सहना,हिंसा को बढ़ावा देना है, उन्होंने घरेलू हिंसा के मामलों में टोल फ्री नंबर 181 पर शिकायत दर्ज कराने और सखी सेंटर सूरजपुर से संपर्क करने की अपील की।

न्यायिक मार्गदर्शन में हुआ आयोजन...

कार्यक्रम का आयोजन विनीता वार्नर, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर के मार्गदर्शन तथा पायल टोपनो, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज जायसवाल,जिला बाल संरक्षण अधिकारी,जगेश्वर साहू परियोजना अधिकारी ओड़गी तथा पीएलवी सत्य नारायण ने की।

सरपंचों व महिला समूहों की रही सक्रिय भागीदारी...

कार्यक्रम में ओड़गी ब्लॉक के समस्त सरपंच, सचिव, चिन्हांकित पंच तथा आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान ग्रामीण स्तर पर बाल विवाह रोकने में सामूहिक जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया गया।

सूरजपुर में बाल विवाह रोकना साझा जिम्मेदारी...

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किए गए इस 100 दिवसीय अभियान का उद्देश्य बाल विवाह को जड़ से समाप्त करना है, उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में विशेषकर सूरजपुर जिले में बाल विवाह की घटनाएं चिंता का विषय रही हैं, जिन्हें रोकना प्रशासन, पंचायत और समाज सभी की साझा जिम्मेदारी है, उन्होंने पंचायत स्तर पर गठित बाल विवाह रोकथाम समितियों के दायित्वों की याद दिलाते हुए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार गठित आशा यूनिट की जानकारी दी। आशा (जागरूकता, समर्थन, सहायता एवं कार्यवाही) यूनिट का उद्देश्य बाल विवाह रोकना, पीड़िताओं को सहायता देना और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

कानून, दंड और टोल फ्री सेवाओं की दी जानकारी...

कार्यक्रम में बाल विवाह के दुष्परिणामों, बाल विवाह होने पर कानून में निर्धारित दंड,पॉक्सो एक्ट, टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, पीएलवी सत्य नारायण ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के कमजोर वर्गों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करता है, चाहे वह तालुका न्यायालय हो या सर्वोच्च न्यायालय। उन्होंने नालसा की टोल फ्री हेल्पलाइन 15100 एवं ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी भी दी।

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन का बड़ा आंदोलन

ये हैं फेडरेशन की प्रमुख मांगें...

- केंद्र के समान देय तिथि से कर्मचारियों व पेंशनरों को महंगाई भत्ता...
- वर्ष 2019 से लंबित महंगाई भत्ता एरियर्स को जीपीएफ में समायोजित करना...
- सभी संवर्गों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान...
- लिपिक,शिक्षक,स्वास्थ्य,महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों की वेतन विसंगतियां दूर करना...
- पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करना...
- प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा लाभ की गणना...
- सहायक शिक्षकों व पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को तृतीय समयमान सहित अन्य मांगें...

सूरजपुर में 29 से 31 दिसंबर तक सरकारी दफ्तरों में कामकाज रहेगा ठप्प

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
लंबे समय से लंबित मांगों पर शासन द्वारा कोई ठोस निर्णय न लिए जाने से कर्मचारियों में भारी नाराज़गी है, जो अब खुलकर आंदोलन के रूप में सामने आ रही है। छत्तीसगढ़ कर्मचारीङ्कअधिकारी फेडरेशन ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 29 से 31 दिसंबर 2025 तक तीन दिवसीय पूर्ण कामबंद व कलमबंद आंदोलन का ऐलान किया है। इसके चलते सूरजपुर जिले में इन तीन दिनों तक प्रशासनिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित रहने की संभावना है।

बार-बार ज्ञापन,फिर भी उपेक्षा का आरोप...

फेडरेशन का आरोप है कि केंद्र सरकार के समान देय तिथि से लाभ न मिलने के कारण कर्मचारियों को लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बार-बार ज्ञापन,पत्राचार और एक दिवसीय हड़ताल के बावजूद शासन द्वारा मांगों पर कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई, जिससे कर्मचारियों को आंदोलन जैसा कड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

चरणबद्ध आंदोलन के बाद तीन दिवसीय हड़ताल

सूरजपुर फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ. आर. एस. सिंह ने बताया कि फेडरेशन द्वारा पहले चरण में मशाल रैली,दूसरे चरण में एक दिवसीय ध्यानाकर्षण रैली और अब तीसरे चरण में तीन दिवसीय निश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है,उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इसके बाद भी सरकार समाधान नहीं करती है, तो फेडरेशन अनिश्चितकालीन आंदोलन करने को बाध्य होगा।

महंगाई भत्ता और एरियर्स प्रमुख मुद्दा...

फेडरेशन का कहना है कि मोदी की गारंटी के अनुरूप कर्मचारियों को देय 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता और लगभग 80 माह का लंबित एरियर्स जीपीएफ खाते में समायोजित नहीं किया गया है, शासन की इसी उदासीनता के विरोध में 29 से 31 दिसंबर तक हड़ताल की घोषणा की गई है,इस अवधि में जिले के सभी शासकीय कार्यालयों में कामकाज ठप्प रहेगा,इसकी सूचना कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने विभाग प्रमुखों को दे दी गई है।

महिला प्रकोष्ठ और पदाधिकारियों की अपील...

जिला संयोजक महिला प्रकोष्ठ प्रतिमा सिंह ने आंदोलन की रूपरेखा की जानकारी देते हुए सभी अधिकारी-कर्मचारियों से एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने की अपील की, वहीं जिला महासचिव इकबाल अंसारी, जिला मीडिया प्रभारी राधेश्याम साहू एवं रमेश राजवाड़े ने बताया कि शासन की लगातार अनदेखी से प्रदेशभर के कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है,यदि अब भी सरकार ने मांगों पर निर्णय नहीं लिया, तो प्रदेशभर में कार्यालयों में तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी,जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह शासन पर होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का जरिया बना खरपतवार 'चकौड़ा'

लागत शून्य, मुनाफा हजारों का

-संवाददाता-
सोनहत,28 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
जहां एक ओर किसान पारंपरिक फसलों पर हजारों रुपये खर्च करने के बाद भी लागत निकालने के लिए जूझ रहे हैं,वहीं एक ऐसा खरपतवार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए वरदान बनकर उभरा है,जिस पर न बीज का खर्च,न खाद,न सिंचाई,और फिर भी मुनाफा नकद। इस खरपतवार का नाम है चकौड़ा।

वर्षाकाल में खाली पड़ी जमीन पर अपने-आप उग आने वाला चकौड़ा इन दिनों सोनहत क्षेत्र के गरीब किसानों,मजदूरों और आदिवासी परिवारों के लिए आमदनी का भरोसेमंद जरिया बन गया है,चकौड़ा अब सूख चुका है और इसके बीज निकालकर ग्रामीण व्यापारीयों को बेच रहे हैं।

धान से ज़्यादा भाव, वो भी बिना खर्च...

ग्रामीणों के मुताबिक,चकौड़ा के बीज 25 से 30 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं, तुलना करें तो जिस धान की फसल पर किसान बीज, खाद, पानी और मजदूरी में भारी खर्च करते हैं,उसी धान का समर्थन मूल्य और बोनस मिलाकर भी औसतन 31 रुपये प्रति किलो तक सिमट जाता है,जबकि निजी मंडियों में यह 20-25 रुपये ही रह जाता है, यानी बिना फूटी कौड़ी खर्च किए चकौड़ा, कई फसलों से ज़्यादा शुद्ध मुनाफा दे रहा है।

लाखों रुपये का कारोबार

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि बीते एक माह से बाजार में चकौड़ा बीज की आवक तेज है, शुरुआत में भाव 20 रुपये किलो था, जो अब 25-30 रुपये किलो तक पहुंच गया है। अलग-अलग व्यापारियों के यहां अब तक लाखों रुपये का चकौड़ा बीज खरीदा-बेचा जा चुका है–वो भी पूरी तरह नकद भुगतान के साथ।

वनांचल के परिवारों को राहत...

वनांचल के ग्रामीण बताते हैं कि साग-सब्जी या दूसरी नकदी फसलों में मेहनत और लागत दोनों ज्यादा हैं। समय पर मजदूर नहीं मिलना, पानी की कमी और बाजार का जोखिम इन सबके चलते उत्पादन प्रभावित होता है। इसके उलट, चकौड़ा संग्रह में न लागत है,न जोखिम,जंगल और खाली खेतों से बीज इकट्ठा कर सीधे बेच देने से घर की जरूरतें पूरी हो रही हैं।

खरपतवार से अवसर तक...

जिस चकौड़ा को अब तक बेकार समझा जाता था, वही आज ग्रामीणों के लिए संजीवनी बन गया है, यह कहानी बताती है कि संसाधनों की कमी के बीच भी प्रकृति किस तरह बिना लागत के आजीविका के नए रास्ते खोल देती है, बस पहचान और बाजार की जरूरत होती है।

प्रतापपुर व भैयाथान में फसल विविधीकरण का जमीनी जायजा

कलेक्टर एस. जयवर्धन ने किसानों को किया प्रेरित, गन्ना फसल व डीएमएफ नलकूपों का निरीक्षण

-संवाददाता-
सोनहत,28 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
जिले में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर एस. जयवर्धन ने शनिवार को प्रतापपुर एवं भैयाथान विकासखंड के विभिन्न गांवों का भ्रमण किया, इस दौरान उन्होंने रबी फसलों की स्थिति का अवलोकन किया और डीएमएफ योजना के अंतर्गत स्थापित नलकूपों का निरीक्षण किया,भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने कृषक बंधुओं को फसल विविधीकरण अपनाने के लिए प्रेरित किया, कलेक्टर एस. जयवर्धन का यह भ्रमण स्पष्ट संदेश देता है कि जिले में कृषि को जल-संरक्षण, फसल विविधीकरण और दीर्घकालीन लाभ की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है, डीएमएफ नलकूपों के प्रभावी उपयोग और वैकल्पिक फसलों को अपनाकर किसान भविष्य की चुनौतियों का बेहतर सामना कर सकते हैं।

दलहन-तिलहन अपनाने से बढ़ेगा लाभ, घटेगा जल संकट...

कलेक्टर ने किसानों से कहा कि घटते भू-जल स्तर को देखते हुए दलहन, तिलहन और अन्य कम पानी वाली फसलों को अपनाना समय की आवश्यकता है, इससे न केवल पानी की बचत होगी, बल्कि खेत की मिट्टी की उर्वरता भी बनी रहेगी और किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ मिल सकेगा।

सकलपुर में गन्ने की फसल का निरीक्षण

प्रतापपुर विकासखंड के ग्राम सकलपुर में कलेक्टर ने कृषक मंगलेश्वर के गन्ने के खेत का निरीक्षण किया, उन्होंने गन्ने की फसल, उसकी वृद्धि एवं कटाई की स्थिति का अवलोकन किया। कृषक ने गन्ने की खेती की पूरी प्रक्रिया, लागत और उत्पादन के संबंध में कलेक्टर को विस्तृत जानकारी दी, इसके पश्चात ग्राम सकलपुर के ही कृषक शिवसागर के खेत में डीएमएफ द्वारा प्रदत्त नलकूप का निरीक्षण किया गया और उसके उपयोग व लाभ की जानकारी ली गई।

भैयाथान के ग्राम टइयां में नलकूप से बदली खेती...

कलेक्टर भैयाथान विकासखंड के ग्राम टइयां भी पहुंचे, जहां उन्होंने कृषक सहदेव को डीएमएफ योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए नलकूप का निरीक्षण किया, कृषक सहदेव ने बताया कि नलकूप के पानी से वे आलू और सरसों की खेती कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है, उन्होंने कलेक्टर को अपना खेत दिखाते हुए वैकल्पिक फसलों के लाभ भी बताए।

ग्रीष्मकालीन धान से बचने की अपील...

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने किसानों को ग्रीष्मकालीन धान की खेती न करने के लिए प्रेरित किया, उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन धान अत्यधिक पानी की मांग करता है, जिससे जल संकट और गहरा होता है, उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्मकालीन धान का रकबा कम करने के लिए किसानों को जागरूक किया जाए और कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाए।

नव वर्ष 2026 से पूर्व सुरक्षा एवं शांति सुनिश्चित करने पुलिस पिकनिक स्थलों पर लगा रही गश्त

-संवाददाता-
कोरबा,28 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
नव वर्ष के मद्देनजर और जनसामान्य को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करने के लिए कोरबा पुलिस ने पूरे जिले में तैयारियां की हैं। जिले के सभी प्रमुख पिकनिक स्थलों,पर्यटन क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस की गश्त एवं चौकसी बढ़ा दी गई है। कोरबा पुलिस का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नागरिकों का उत्सव सुरक्षित,व्यवस्थित और कानून के दायरे में रहकर मनाया जाए। टीमें जिले के हर लोकप्रिय पिकनिक स्थल और अन्य मनोरंजन क्षेत्रों पर लगातार गश्त और निगरानी कर रही हैं। शराब पीकर वाहन चलाना, अत्यधिक तेज आवाज में संगीत बजाना, सार्वजनिक स्थान पर अश्लील आचरण,या किसी भी प्रकार की कानून-विरोधी गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई तत्काल की जाएगी। इस अभियान के तहत, पुलिस दल ट्रैफिक नियमों की पालना, नशे में गाड़ी चलाना, ध्वनि प्रदूषण रोकथाम और महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। चलती हुई गाड़ियों की रैंडम चेकिंग भी की जा रही है।

पुलिस प्रशासन ने सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे नव वर्ष का आनंद जिम्मेदारी के साथ लें, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करें और कानून का सम्मान करें। किसी भी आपात स्थिति या शिकायत के लिए,नागरिक पुलिस नियंत्रण कक्ष या स्थानीय थाने से तुरंत संपर्क कर सकते हैं।

रनई में विशाल हिंदू सम्मेलन एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

अनुशासन,सेवा और संस्कार का ऐतिहासिक संगम

-संवाददाता-
कोरिया/रनई,28 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।
गिरजापुर मंडल अंतर्गत ग्राम रनई में हनुमान सेवा समिति रनई के तत्वावधान में आयोजित विशाल हिंदू सम्मेलन एवं सम्मान समारोह अत्यंत अनुशासित,गरिमामय और ऐतिहासिक रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सेवा प्रमुख तुलसीदास जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ। उनके ओजस्वी उद्‌बोधन ने उपस्थित जनसमूह में धर्म, संस्कार, सेवा और राष्ट्रभाव का सशक्त संचार किया,जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई।

कार्यक्रम में लगभग 1500 देवतुल्य नागरिकों की सहभागिता रही। सम्मेलन में गणमान्य व विशिष्ट अतिथि, समाजसेवी बंधु, स्वयं सेवक,कार्यकर्ता,माताएं-बहनें,युवा शक्ति,स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं सेवा तंत्र से जुड़े अनेक महानुभाव उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया,सम्मेलन के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा,धर्म,संगठन और जन कल्याण में सेवा भाव से कार्यरत अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। यह सम्मान किसी व्यक्ति विशेष तक सीमित न होकर सेवा, समर्पण और संस्कार के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक रहा,स्वागत,वंदन,सम्मान,प्रेरक उद्‌बोधन और सामूहिक सहभागिता के साथ कार्यक्रम में हिंदू समाज की एकता, संगठन शक्ति और सांस्कृतिक चेतना का अनुपम दृश्य देखने को मिला। अनुशासन,सेवा, व्यवस्था और सहयोग इन सभी व्यवस्थाओं को पूर्ण समर्पण भाव से निभाया गया।

हनुमान सेवा समिति एवं गिरजापुर मंडल के सभी स्वयंसेवक और कार्यकर्ता बंधुओं ने अथक परिश्रम, सेवा भाव और संगठनात्मक सामर्थ्य का परिचय देते हुए इस भव्य आयोजन को पूर्णता तक पहुँचाया, समापन अवसर पर यह संदेश स्पष्ट रूप से उभरा जब समाज, सेवा और संस्कार एक साथ खड़े होते हैं,तब ऐसे भव्य और ऐतिहासिक आयोजन संभव होते हैं,हनुमान सेवा समिति के अध्यक्ष विकास शुक्ला ने समस्त आगंतुकों,अतिथियों,माताओं-बहनों, युवाओं, स्वास्थ्य कर्मियों एवं देवतुल्य जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया।

बजट बनाना पड़ता है,फिल्मों के बढ़ते टिकटों के दाम पर

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज मिसेज देशपांडे को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अब सिनेमाघरों में फिल्मों के बढ़ते टिकटों के दाम पर घटती ऑडियंस को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

कोविड के बाद से ये देखा जा रहा है कि सिनेमाघरों से जनता धीरे-धीरे दूरी बना रहे हैं। जिसकी वजह थिएटर्स में फिल्मों की टिकटों के बढ़ते दाम हैं। जो फिल्म अच्छी होती हैं, उन्हें देखने के लिए भारी तादाद में बेशक लोग पहुंचते हैं, लेकिन अगर किसी मूवी को लेकर उनके मन में द्वंद है तो वह पैसा बचाने के लिए उसकी ओटीटी रिलीज का इंतजार करते हैं। हाल ही में अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने सिनेमाघरों में टिकटों के बढ़ती प्राइस और लोगों की घटती संख्या पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और दो टूक राय रखी है।

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री के तौर पर माधुरी दीक्षित को जाना जाता है। हाल ही में माधुरी वेब सीरीज मिसेज देशपांडे में नजर आई हैं, जिसको लेकर उनका नाम फिलहाल चर्चा में बना हुआ है। इस बीच माधुरी ने समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में फिल्मों की टिकटों के बढ़ती कीमतों को लेकर खुलकर बात की है और कहा है-अगर फिल्म की कहानी अच्छी है तो वह हर हाल में चलेगी और लोग उसे देखने के लिए थिएटर्स में पहुंचेंगे। इस आधार पर ये कहा जा सकता है कि फिल्में चल नहीं रही हैं, लेकिन सही मायनों में देखा जाए तो टिकटों के दाम काफी ज्यादा है। परिवार को सिनेमाघरों में एक फिल्म देखने के लिए अपना बजट बनाना पड़ता है।

इस वजह से वे ध्यान से सोचते हैं कि कौन सी मूवी देखनी चाहिए और कौन सी नहीं। हालांकि,ओटीटी भी इसमें अहम भूमिका अदा करता है। अब जनता को घर बैठे ऑनलाइन एंटरटेनमेंट मिल रहा है और वीकेंड में लोग सिनेमाघरों से ज्यादा घर पर बैठकर ओटीटी पर फैमिली के साथ मनोरंजन का आनंद लेते हैं। कभी भी किसी भी समय पर ओटीटी पर फिल्म और सीरीज आसानी से देखने को मिल जाती हैं।

इस तरह से माधुरी दीक्षित ने फिल्मों की टिकटों की बढ़ती कीमतों लेकर अपनी राय रखी है और बताया है कि किस तरह से सिनेमा जगत को प्रभावित कर रहा है।

मिसेज देशपांडे से छाईं माधुरी

माधुरी दीक्षित की वेब सीरीज मिसेज देशपांडे को हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर ऑनलाइन रिलीज किया गया है। इस सीरीज में सीरियल किलर की भूमिका में अभिनेत्री ने अपनी शानदार अदाकारी का जलवा बिखेरा है।

सलमान खान की हीरोइन बन किया डेब्यू

16 की उम्र में बनी बॉलीवुड स्टार, अब एक्टिंग छोड़ कर रहीं ये काम

सलमान खान के अपोजिट डेब्यू कर इस एक्ट्रेस की किस्मत चमक गई, जिन्होंने रजनीकांत, चिरंजीवी जैसे कई सुपरस्टार संग काम किया है। उन्होंने हिंदी,तमिल,तेलुगु,भोजपुरी,मलयालम और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में दमखम दिखाया, लेकिन बाद में एक्टिंग को अलविदा कह दिया।

फिल्म इंडस्ट्री में हर साल नए चेहरे आते हैं, जिसमें से कुछ स्टार बनाने का मौका मिलता है तो वहीं, कुछ हिट होते ही फिल्मी दुनिया से गायब हो जाते हैं। आज हम उसी एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, जिन्होंने बहुत ही कम उम्र में शोहरत कमा ली। सलमान खान की हीरोइन बन लाइमलाइट में आई ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि 90 के दशक की नगमा हैं, जो आज ग्लैमर की दुनिया से दूर हैं। उनकी पहचान सिर्फ एक सफल अभिनेत्री के तौर पर नहीं,बल्कि एक ऐसी लड़की के रूप में भी बनी, जिसने अपने दम पर बहुत ही कम उम्र में ये स्टारडम हासिल किया। नगमा ने सलमान खान के साथ फिल्म बागी साइन की थी और तब उनकी उम्र 16 साल थी।

16 की उम्र में स्टार बनीं ये एक्ट्रेस

नगमा का असली नाम नंदिता अरविंद मोरारजी है। उनकी मां मुस्लिम और पिता हिंदू थे, जो एक मशहूर बिजनेसमैन थे। बचपन से ही नगमा फिल्मों में काम करना चाहती थीं और इसमें उनकी मां ने मदद की। पढ़ाई के साथ-साथ नगमा ने अभिनय में अपना करियर बनाने का फैसला किया और उन्हें बाली उम्र में ही मूवीज के ऑफर मिलने लगे। साल 1990 में नगमा ने सलमान खान के साथ फिल्म बागीः अ रिबेल ऑफ लव से बॉलीवुड डेब्यू किया। इस फिल्म ने नगमा को स्टार बन दिया। नगमा ने 16 साल की उम्र में अपनी पहली हिट फिल्म दी।

बॉलीवुड या साउथ ही नहीं,भोजपुरी में भी हिट रही ये नगमा

सलमान खान संग हिट देने के बाद नगमा ने यलगार,सुहाग,लाल बादशाह,कुंवारा और अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों जैसी कई फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड के बाद नगमा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया,जहां उन्होंने तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में काम कर सभी को अपना फैन बना दिया। इसके बाद नगमा ने भोजपुरी फिल्मों में भी काम किया और वहां भी उन्होंने सफलता हासिल की। उन्हें दूल्हा मिलल दिलदार के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार भी मिला।

सलमान खान की ये हीरोइन अब कहां हैं?

फिल्मों से दूरी बनाने के बाद नगमा ने राजनीति में एंट्री की और कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गई। उन्होंने स्टार प्रचारक के तौर पर काम किया और साल 2014 में उन्होंने लोकसभा चुनाव भी लड़ा। सलमान खान की हीरोइन नगमा आज तक कुंवारी हैं। आज भले ही नगमा फिल्मों से दूर हैं, लेकिन राजनीतिक गलियारे में छाई हुई हैं।

3 घंटे में ही वायरल हो गया ऋतिक रोशन का ये लुक,लोगों को याद आई कृष

ऋतिक रोशन बीते दिनों धुरंधर पर किए अपने पोस्ट को लेकर काफी सुर्खियां बटोरते रहे। ऋतिक ने फिल्म की तारीफ करते हुए अपने विचार खुले तौर पर रख दिए थे जिसे सोशल मीडिया ट्रोल्स हजम नहीं कर पाए। आज रविवार को ऋतिक ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और ट्रेंड करने लगे।

एक्स पर पोस्ट की गई इन तस्वीरों को लोगों को कृष-4 की भी याद आ गई और फिल्म की जानकारी भी मांग ली। अगले साल 10 जनवरी को ऋतिक 52 वां जन्मदिन मनाने वाले हैं और लोगों उनके लुक को देखकर लोग फिटनेस की तारीफ भी कर रहे हैं।

3 घंटे में ही नाम होने लगा ट्रेंड

आज रविवार को ऋतिक ने करीब 3 घंटे पहले ही अपनी कुछ तस्वीरें डालीं। जिसमें उन्होंने डिजाइनर अनामिका खन्ना के आउटफिट को रीप्रजेंट किया। वंश वीरमानी की इन तस्वीरों में ऋतिक ने लोगों को अपनी 51 साल की उम्र में फिटनेस के प्रति दीवानगी और अपने काम को लेकर जुनून साफ दिखाया। साथ ही ऋतिक के इस पोस्ट पर लोगों ने खूब प्यार लुटाया और ये तस्वीरें महज 3 घंटे में ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल होने लगीं। लोगों ने जहां एक तरफ उनके लुक और ड्रेस की खूब तारीफ की तो ट्रोल्स भी पीछे नहीं रहे। ट्रोल्स ने भी कृष-4 की रिलीज डेट पूछ डाली। हालांकि ऋतिक ने किसी भी कमेंट का कोई रिप्लाई नहीं किया है।

स्टेज पर सुपरहिट रही सान्या मल्होत्रा और सुनिधि चौहान की जुगलबंदी

गायिका सुनिधि चौहान के आई एम होम इंडिया टूर के दिल्ली दौरे में अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के मंच पर अचानक आने से दर्शकों के लिए रात यादगार बन गई। यह प्रस्तुति तुरंत ही कॉन्सर्ट के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गई और इसके वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए।

शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस कॉन्सर्ट में भारी भीड़ उमड़ी और सुनिधि ने अपने कई हिट गाने गाए। हालांकि मंच पर सान्या की एंट्री ने वाकई सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। शा का एक वीडियो भी अब वायरल हो रहा है। जिसे देखकर लोग अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। शो के दौरान सुनिधि ने सान्या को अपने हिट गाने आंख पर एक विशेष प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया। ऑनलाइन वायरल हो रहे वीडियो में सान्या नीले रंग की पोशाक में नजर आ रही हैं, जबकि सुनिधि ने बैंगनी रंग का आकर्षक पहनावा चुना। दोनों ने मंच पर एक साथ सहजता से कदम मिलाते हुए नृत्य किया और दर्शकों से जोरदार तालियां बटोरीं। इस शानदार प्रस्तुति ने तुरंत ऑनलाइन लोकप्रियता हासिल कर ली, प्रशंसकों ने उनकी केमिस्ट्री, ऊर्जा और मंच पर मौजूदगी की खूब प्रशंसा की।

खेल समाचार

गौतम गंभीर ही भारत के टेस्ट कोच रहेंगे

बीसीसीआई सचिव सैकिया बोले- लक्ष्मण को कोच बनाने की खबर गलत, बोर्ड ने कोई कदम नहीं उठाया

नई दिल्ली,28 दिसम्बर 2025। गौतम गंभीर ही भारत के टेस्ट कोच बने रहेंगे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ किया है कि टेस्ट टीम के नए कोच के तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से संपर्क किए जाने की खबरें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने टेस्ट टीम के लीडरशिप ग्रुप में बदलाव को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। सैकिया ने बातचीत में कहा, यह खबर पूरी तरह तथ्यहीन है। कुछ प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान भी इसे चला रहे हैं,लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बीसीसीआई इसका सीधा खंडन करता है। यह सिर्फ कल्पना पर आधारित खबर है।

लक्ष्मण को कोच बनाए जाने की खबर

हाल के दिनों में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया था कि टेस्ट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद वीवीएस लक्ष्मण को अगला टेस्ट कोच बनाया जा सकता है। यह अटकलें ऐसे समय में सामने आई, जब भारत को घर में साउथ अफ्रीका से 2-0 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ भी टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

वनडे-टी-20 में भारत का प्रदर्शन मजबूत

टेस्ट क्रिकेट में हालिया नाकामियों के उलट, सीमित ओवरों में टीम इंडिया का प्रदर्शन मजबूत रहा है। गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप ञ20 बिना कोई मैच हारे जीता। हालांकि टेस्ट में भारत ने उनके कार्यकाल में 7 मैच जीते, 10 हारे और 2 ड्रॉ खेले हैं।

सूर्या करिश्मा,ऋत्विक संजीवी ने एकल खिताब जीता

विजयवाड़ा ,28 दिसम्बर 2025। रविवार को विजयवाड़ा में सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप में सूर्या करिश्मा तमिरी ने स्थानीय लोगों के ज़बरदस्त समर्थन के दम पर तन्वी पात्री को हराकर शानदार जीत हासिल की, जबकि ऋत्विक संजीव एस. ने भरत राघव को हराकर क्रमशः महिला और पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता। 19 साल की विजयवाड़ा में जन्मी सूर्या करिश्मा ने महिला सिंगल्स फाइनल में तन्वी को 17-21, 21-12, 21-14 से हराया, जबकि ऋत्विक ने पुरुष सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में भरत को 21-16, 22-20 से हराया।स्थानीय पसंदीदा खिलाड़ी और सबसे कम उम्र की सीनियर नेशनल चैंपियन बनने की कोशिश कर रही खिलाड़ी के बीच बहुप्रतीक्षित महिला सिंगल्स फाइनल उम्मीदों पर खरा उतरा, क्योंकि 58 मिनट के इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों को मौके मिले। तन्वी ने पहले गेम के बीच में मैच पर कंट्रोल कर लिया था, और ऐसा लग रहा था कि उसने अपनी विरोधी को इतना परेशान कर दिया था कि वह बिना वजह गलतियाँ करने लगी थी। दूसरी गेम में 6-5 के स्कोर पर ऐसी ही एक गलती हुई जब सूर्या करिश्मा ने सर्विस रिटर्न को नेट में मार दिया। लेकिन सर्विस जज ने इसे हाइट की गलती बताया, और इससे आखिरकार चैंपियन बनने वाली खिलाड़ी को राहत मिली। इसके बाद उसने लगातार सात पॉइंट जीतकर दूसरे गेम पर कंट्रोल कर लिया। निर्णायक गेम में, सूर्या करिश्मा ने शुरुआत में तन्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा,और युवा खिलाड़ी पर थकान दिखने लगी। हालाँकि तन्वी ने अपनी विरोधी के साथ तालमेल बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन वह साफ़ तौर पर थक गई, क्योंकि सूर्या करिश्मा ने 15-14 के स्कोर के बाद लगातार छह पॉइंट लेकर मैच खत्म कर दिया।

पुरुष सिंगल्स फाइनल में, ऋत्विक ने अपने बेहतर डिफेंस और शांत स्वभाव पर भरोसा करते हुए भरत राघव की चुनौती को पार किया। पहला गेम बिना किसी परेशानी के जीतने के बाद, ऋत्विक दूसरे गेम में दबाव में आ गए क्योंकि उनके विरोधी ने 9-5 की बढ़त बना ली थी। 2024 ओडिशा मास्टर्स के विजेता ने लगातार छह पॉइंट जीतकर फिर से बढ़त हासिल कर ली, और ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से जीत जाएंगे, लेकिन दो गलत फैसलों के कारण भरत को वापसी करने और गेम पॉइंट हासिल करने का मौका मिल गया। लेकिन अपनी काबिलियत के दम पर, ऋत्विक ने अपना धैर्य बनाए रखा और अपनी गेम प्लान पर टिके रहे और 39 मिनट में मैच खत्म कर दिया। शिखा गौतम और अश्विनी भट के. की अनुभवी जोड़ी ने महिला डबल्स का खिताब जीता, उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त प्रिया देवी कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा को 21-14, 21-18 से हराया, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त हरिहरन अमसकारुणन और आर. रुबन कुमार ने मिथिलिश पी. कृष्णन और प्रेजन को 21-17, 21-12 से हराकर पुरुष डबल्स फाइनल जीता। इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त सात्विक रेड्डी के और राधिका शर्मा ने शीर्ष वरीयता प्राप्त आशित सूर्या और अमृता पी को 21-9, 21-15 से हराकर मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता।

जो क्लार्क की तूफानी पारी

मेलबर्न स्टार्स ने सिडनी थंडर्स को 9 विकेट से रौंदा

कैनबरा,28 दिसम्बर 2025। मेलबर्न स्टार्स ने सिडनी थंडर्स के खिलाफ मनुका ओवल में रविवार को खेले गए बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के 14 वें मैच को 9 विकेट से अपने नाम किया। जीत के चौके के साथ मेलबर्न स्टार्स ने शीर्ष पायदान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी सिडनी थंडर्स ने 20 ओवरों में 128 रन बनाए। इस टीम को सैम कोंस्टास और मैथ्यू गिलक्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 3.5 ओवरों में 33 रन जुटाए। मैथ्यू गिलक्स 13 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि सिडनी ने 63 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे। यहां से शादाब खान ने सैम बिलिंग्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 25 गेंदों में 27 रन जुटाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन इस साझेदारी के टूटते ही टीम फिर से लड़खड़ा गई। शादाब खान ने 25 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जबकि बिलिंग्स ने 23 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम से हारिस रऊफ ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए। इनके अलावा, टॉम करेन,मार्कस स्टोइनिस और मिचेल स्वेपसन ने 2-2 विकेट निकाले। इसके जवाब में मेलबर्न स्टार्स ने 14 ओवरों में महज 1 विकेट गंवाकर जीत दर्ज कर ली। इस टीम को जो क्लार्क और सैम हार्पर की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 9.4 ओवरों में 86 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की पटरी पर ला दिया था। क्लार्क 37 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सैम हार्पर ने ग्लेन मैक्सवेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 46 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 6 ओवर शेष रहते जीत दिलाई। हार्पर 27 गेंदों में 2 चौकों की मदद से 29 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि मैक्सवेल ने 20 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 39 रन बनाए। विपक्षी टीम की तरफ से एकमात्र सफलता क्रिस ग्रीन के हाथ लगी। मेलबर्न स्टार्स 8 प्वाइंट्स के साथ 8 टीमों के बीच प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर है, जबकि सिडनी थंडर्स 4 में से तीन मैच गंवाकर सातवें पायदान पर मौजूद है।

फाइनल मुकाबले में आर्मी बॉयज़ और राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब की भिड़ंत

सूरत,28 दिसम्बर 2025। राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब एकेडमी और आर्मी बॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी ने अपने सेमी फाइनल मैच जीतकर रविवार को गुजरात के सूरत में वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी हॉकी ग्राउंड में हुई तीसरी हॉकी इंडिया सब जूनियर मेन एकेडमी चैंपियनशिप 2025 जोन ए और बी के फाइनल में जगह बना ली। पहले सेमीफाइनल में, आर्मी बॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी ने रितु रानी हॉकी एकेडमी को 5-1 से हराया। अर्जुन ने हैट्रिक (25', 37', 39') बनाई, जबकि शुभम संजय शिंदे (44') और अर्कित बरुआ (58') ने गोल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। रितु रानी हॉकी एकेडमी के लिए एकमात्र गोल संदीप सिंह (45') ने किया। दूसरे सेमीफाइनल में, राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब एकेडमी ने सेल हॉकी एकेडमी के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। राउंडग्लास के लिए सनमुख सिंह ने 57' पर और सेल के लिए मोहम्मद शाहिद ने 30' पर गोल किया। रेगुलर टाइम में 1-1 से ड्रॉ के बाद, राउंडग्लास ने शूटआउट में 3-2 के स्कोर से जीत हासिल की। टूर्नामेंट में इससे पहले, राउंडग्लास हॉकी अकादमी ने अपने पूल ए गेम में चीमा हॉकी अकादमी पर 19-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इंदरजीत सिंह (13', 30', 45') ने हैट्रिक बनाई, जबकि कैप्टन अर्शप्रीत सिंह (4', 14'), अनुराग सिंह (9', 10'), ओम रजनेश सैनी (36', 39'), गुरविंदर सिंह (2', 48'), और वरिंदर सिंह (59', 60') ने दो-दो गोल किए। सुखप्रीत सिंह (19'), प्रिंस सिंह (51'), जरमन सिंह (55'),सनी (7'), सुखमनप्रीत सिंह (5'), और अमनदीप (5') ने एक-एक गोल किया। पूल ए में, आर्मी बॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी ने गुरुवार को चीमा हॉकी अकादमी को 6-1 से हराया। गोल बारा छितिज (1', 4'), वेंकटेश्वर कोलनाटी राव (22', 47'), के.टी. अयप्पा लिनिथ (7'), और आर.पी. ऋत्वीश (57') ने किए। चीमा हॉकी अकादमी के लिए एकमात्र गोल हरमनजोत सिंह ने किया। रितु रानी हॉकी अकादमी तीसरे स्थान के लिए सेल हॉकी अकादमी से मुकाबला करेगी, जबकि राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी सोमवार को फाइनल में आर्मी बॉयज़ स्पोर्ट्स कंपनी से भिड़ेगी।

पुरुष हॉकी टीम ने दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पदक जीतकर 2025 का सफल समापन किया

नई दिल्ली,28 दिसम्बर 2025। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 2025 को एक बेहद सफल वर्ष के रूप में समाप्त किया, जिसमें दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पदक और दिसंबर में आयोजित होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 की ओर सुनियोजित तैयारी शामिल थी। इस अभियान की नींव पीआर श्रीजेश के मार्गदर्शन में पूरे वर्ष आयोजित गहन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों की एक श्रृंखला के माध्यम से रखी गई थी। हॉकी इंडिया की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,इन शिविरों के माध्यम से कोच ने एक टीम का गठन किया और खिलाड़ियों को दिसंबर में होने वाले जूनियर विश्व कप की ओर बढ़ते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया। भारत की प्रतिस्पर्धी तैयारियों की शुरुआत जून में हुए फोर नेशंस टूर्नामेंट से हुई, जिसने यूरोपीय देशों की मजबूत टीमों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण तैयारी का मौका दिया। मेजबान जर्मनी,स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीमों का सामना करते हुए, भारतीय जूनियर टीम ने दिग्गज टीमों के खिलाफ अपनी रणनीति का परीक्षण किया और टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। तीसरे/चौथे स्थान के मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 2-1 की महत्वपूर्ण जीत दर्ज की गई। इस टूर्नामेंट ने टीम को बहुमूल्य मैच

अनुभव और रणनीति संयोजनों को लेकर स्पष्टता प्रदान की, जिससे टीम ने विश्व कप की तैयारियों को जारी रखा। इसके बाद, उन्होंने इस लय और सीख को अक्टूबर में आयोजित 2025 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में बरकरार रखा,जहां भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। टीम ने ग्रेट ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और मलेशिया पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की, साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेला और लीग चरण में संयमित प्रदर्शन के दम पर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबले में, भारत ने 59 वें मिनट में एक दुर्भाग्यपूर्ण गोल खा लिया और ऑस्ट्रेलिया से 1-2 से हार गया, जिसके परिणामस्वरूप उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

श्रीलंका के खिलाफ टी 20 आई के लिए पाकिस्तान टीम घोषित

लाहौर,28 दिसम्बर 2025। पाकिस्तान ने अगले महीने श्रीलंका में होने वाली तीन मैचों की सीरीज़ के लिए अपनी टी 20 आई टीम का नाम घोषित कर दिया है। इस टीम में बाबर आज़म, शाहीन अफ़रीदी, हारिस रऊफ़ और मोहम्मद रिज़वान जैसे कई खास खिलाड़ी नहीं हैं, जो ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेल रहे हैं। इसके अलावा, अनकैप्ड कीपर-बैटर ख्वाजा नफ़े को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। 23 साल के दाएं हाथ के विकेटकीपर-बैटर हाल ही में पाकिस्तान शाहीन टीम का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने 32 टी 20 मैचों में 132.81 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। ऑलराउंडर शादाब खान की टी 20 आई टीम में वापसी हुई है, क्योंकि सिलेक्टर्स ने अगले महीने होने वाली टी 20 आई सीरीज़ के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की है। सलमान अली आगा, जिन्होंने रिकॉर्ड 34 टी20 आई मैच खेले हैं-जो इस साल किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी द्वारा सबसे ज़्यादा हैं-नई टीम के कप्तान बने रहेंगे। 27 साल के शादाब, जिन्होंने आखिरी बार जून में पाकिस्तान के लिए खेला था, इस साल की शुरुआत में उनके कंधे की सर्जरी हुई थी। नेशनल क्रिकेट एकेडमी में सफल रिहैबिलिटेशन के बाद, वह अब ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में खेल रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में 58% आरक्षण विवाद...

पूर्व विधायक ने सरकार पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना का लगाया आरोप,पीएमओ तक पहुंची शिकायत

रायपुर,28 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में 58 प्रतिशत आरक्षण को लेकर विवाद अब संविधान, न्यायपालिका के आदेशों के पालन और राज्य प्रशासन की जवाबदेही से जुड़ा संवेदनशील विषय बन गया है। पूर्व विधायक और छत्तीसगढ़ वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे ने प्रदेश सरकार पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करने का गंभीर आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय को शिकायत पत्र भी भेजा है। पूर्व विधायक वीरेंद्र पांडे और अभ्यर्थी विकास त्रिपाठी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रदेश में दो प्रकार का आरक्षण लागू है। हाईकोर्ट अपनी भर्तियों में 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर रही है। वहीं, छत्तीसगढ़ राज्य 1994 अधिनियम के तहत 58 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जा रहा है। वीरेंद्र पांडे ने बताया कि इंदिरा सहानी केस में स्पष्ट निर्णय है कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिया जा सकता। वहीं, छत्तीसगढ़ में जनसंख्या के आधार पर अतिरिक्त आरक्षण लागू किया जा रहा है। साल 2025 के लिए मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में जारी आरक्षण गणना के अनुसार कुल प्रभावी आरक्षण लगभग 68 प्रतिशत तक पहुंच गया,जिससे अनारक्षित वर्ग के अवसर सीमित हो गए हैं। इससे विवाद और गहराया और मेरिट बनाम आरक्षण की बहस फिर से शुरू हो गई। पूर्व विधायक के अनुसार,वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों के बावजूद 58 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया जारी रखी। इससे संवैधानिक संस्थाओं और राज्य शासन के बीच टकराव पैदा हुआ। वीरेंद्र पांडे ने चेताया कि यदि सुप्रीम कोर्ट 50 प्रतिशत की सीमा के पक्ष में फैसला देती है,तो वर्तमान में 58 प्रतिशत आरक्षण पर आधारित सभी भर्तियां कानूनी संकट में पड़ सकती हैं। उन्होंने मांग की है कि 58 प्रतिशत आरक्षण के आधार पर की गई भर्तियों की समीक्षा और इस प्रकरण को लेकर उच्च स्तरीय जांच की जाए। इसके अलावा,भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया को 50 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा के अनुरूप किया जाए। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में आरक्षण विवाद अब सामाजिक नीति से आगे बढ़कर संविधान,न्यायपालिका और प्रशासनिक जवाबदेही का प्रतीक बन चुका है।

लंबे समय से कोर्ट में लंबित है मामला...

मामला लंबे समय से कोर्ट में लंबित है। 2012 में राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण प्रतिशत को बदलकर कुल 58 प्रतिशत कर दिया था। गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की याचिका पर हाईकोर्ट ने कहा कि 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण सिर्फ असाधारण परिस्थितियों और ठोस सांख्यिकीय आधार पर संभव है। न्यायालय ने पाया कि राज्य सरकार इस शर्त को पूरा करने में विफल रही और इसलिए 58 प्रतिशत आरक्षण को असंवैधानिक घोषित किया। राज्य सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्थगन आदेश नहीं दिया। इसका मतलब है कि हाईकोर्ट का निर्णय प्रभावी बना रहा।

छत्तीसगढ़ में फिर भड़का धर्मांतरण विवाद...

ग्रामीणों ने धर्मांतरित लोगों के घरों में की तोड़फोड़,मौके पर भारी पुलिस बल तैनात

कांकेर,28 दिसम्बर 2025। जिले में धर्मांतरण को लेकर लगातार तनाव और हिंसा की घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज कांकेर जिले से लगभग 30 किलोमीटर दूर पुसागांव क्षेत्र में धर्मांतरित लोगों के घरों में ग्रामीणों ने तोड़फोड़ की। इस घटना का वीडियों तेजी से वायरल हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एतिहातन गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने लगभग 10 घरों में प्रवेश कर लाठी-डंडों से तोड़फोड़ की। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ये कार्रवाई उन धर्मांतरित परिवारों के खिलाफ की गई,जिन्होंने अपने मूल धर्म में लौटने से इंकार कर दिया। ग्रामीणों ने पहले इन परिवारों के साथ बैठक की और उन्हें अपने मूल धर्म में लौटने के लिए कहा था, लेकिन जब यह प्रयास असफल रहा, तो उन्होंने घरों में तोड़फोड़ की। घटना के बाद से गांव में तनाव व्याप्त है। ग्रामीणों और धर्मांतरित परिवारों के बीच न केवल शब्दों का विवाद हुआ बल्कि हिंसक घटनाओं का डर भी बढ़ गया। इस दौरान कई घरों में हुए नुकसान का वीडियो सामने आया,जिसने स्थानीय माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने और किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरी सतर्कता बरती जा रही है। इस घटना के साथ ही कांकेर जिले में धर्मांतरण को लेकर उपजे विवाद ने क्षेत्र में सामाजिक तनाव को और बढ़ा दिया है। पिछले कुछ हफ्तों में बड़े तेवड़ा और आमाबेड़ा गांव में हुई हिंसक झड़पों के बाद अब पुसागांव की घटना ने प्रशासन के लिए चुनौती और बढ़ा दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सभी पक्षों को शांत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रायपुर में राजस्थान का ड्रग तस्कर गिरफ्तार

4 लाख का नशीला पदार्थ जब्त,ऑपरेशन निश्चय में पुलिस ने की कार्रवाई

रायपुर,28 दिसम्बर 2025। रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ ऑपरेशन निश्चय के तहत कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय ड्रग तस्कर को पंडरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी नए साल की पार्टियों में ड्रग्स की सप्लाई करने की तैयारी कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के पास से नशीला पदार्थ भी जब्त किया है। रायपुर में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना पंडरी पुलिस की संयुक्त टीम को सूचना मिली कि विज्ञान केंद्र रोड,खान गैरेज के पास एक व्यक्ति प्रतिबंधित नशीले पदार्थ के साथ खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यक्ति को पकड़ लिया। आरोपी ने अपना नाम कैलाश बिश्नोई (30 वर्ष) बताया। पूछताछ में पता चला कि वो राजस्थान के जिला जोधपुर के थापा बाप के ग्राम कानासुर का रहने वाला है। तलाशी में उसके पास से एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुई। पूछताछ में उसने राजस्थान से ड्रग्स लाकर रायपुर में बेचने की बात स्वीकार की।

एमडीएमए ड्रग्स,मोबाइल और एटीएम कार्ड बरामद...

आरोपी के कब्जे से 23.82 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स, 3 मोबाइल फोन, 5 एटीएम कार्ड और 1,900 रुपए नगद जब्त किए गए हैं। जब्त कुल समान की कुल कीमत 3.42 लाख रुपए आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ थाना पंडरी में नारकोटिक एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि ऑपरेशन निश्चय के दबाव के चलते तस्कर अब अपनी रणनीति बदल रहे हैं। ड्रग्स नेटवर्क अब शहर के आउटर इलाकों, फार्महाउस पार्टियों और निजी आयोजनों को टारगेट कर रहे हैं। वे कम मात्रा में हाई-वैल्यू ड्रग्स की सप्लाई कर रिस्क कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

रायगढ़ में सड़क दुर्घटना में 2 युवकों की मौत

अनियंत्रित होकर बाइक खेत में जा घुसी

रायगढ़,28 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा घुसी। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घायल दूसरा युवक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। यह घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के अनुसार, बिहार के रामनगर के 23 वर्षीय करण कुमार और कोलईबहाल के 23 वर्षीय आलम खान जामगांव स्थित एमएसपी प्लांट में मजदूरी करता था। दोनों काम खत्म करके आलम खान की मोटरसाइकिल पर घूमने निकले थे। दोपहर में भुईयांपाली के पास एक टर्निंग में बाइक अनियंत्रित हो गई और वे दोनों खेत में गिर पड़े। इस हादसे में आलम खान को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं करण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मृतक का पंचनामा किया और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। लेकिन देर शाम इलाज के दौरान घायल की भी मौत हो गई।

अनशन कर रहे 10 अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ी,अस्पताल में भर्ती

रायपुर,28 दिसम्बर 2025। सहायक शिक्षक भर्ती 2023 को लेकर डीएड योग्य अभ्यर्थियों का आमरण अनशन अब गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। 24 दिसंबर से जारी अनशन के दौरान अब तक 10 अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। आंदोलनकारी न्यायालयीन आदेशों के पालन और लंबित नियुक्तियों की मांग पर डटे हुए हैं। डीएड अभ्यर्थियों का कहना है कि सहायक शिक्षक भर्ती 2023 में करीब 2300 पद अब भी खाली हैं। इनमें से 1600 से ज्यादा पद अनुसूचित जनजाति (आदिवासी) वर्ग के बताए जा रहे हैं, लेकिन अब तक इन पर नियुक्ति नहीं हुई।

5 जनवरी से शुरू होगा मनरेगा बचाओ आंदोलन

छत्तीसगढ़ की ग्राम पंचायतों में जाकर केंद्र सरकार के फैसले का विरोध करेगी कांग्रेस

रायपुर,28 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में मनरेगा कानून में किए गए संशोधन के खिलाफ कांग्रेस 5 जनवरी से प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करने जा रही है। इसके तहत कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर ग्राम पंचायतों में लोगों को मनरेगा में हुए बदलाव और उससे पड़ने वाले असर के बारे में बताएंगे। यह फैसला दिल्ली में हुई कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में लिया गया, जहां देशभर में मनरेगा के विरोध का ऐलान किया गया है। प्रदेश कांग्रेस का कहना है कि केंद्र सरकार ने मनरेगा के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ की है। इसके जवाब में छत्तीसगढ़ की हर ग्राम पंचायत में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस मजदूरों को बताएगी कि नए कानून से काम की गारंटी कैसे कमजोर हो रही है और इसका सीधा असर उनकी रोजी-रोटी पर पड़ेगा।

ग्राम सभाओं में फैलाए जा रहे भ्रम का जवाब...

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार 26 दिसंबर से पहले हर गांव में ग्राम सभाएं कराकर जी-राम-जी कानून को गरीबों के हित में बताने की कोशिश कर रही है, जबकि हकीकत इसके उलट है। पार्टी का कहना है कि नए कानून के जरिए ग्रामीण मजदूरों से काम की कानूनी गारंटी छीनी जा रही है, जो मनरेगा की सबसे बड़ी ताकत थी।

दीपक बैज बोले...मजदूरों की आजीविका पर सीधा हमला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार ने सुनियोजित तरीके से मनरेगा की मांग-आधारित व्यवस्था को कमजोर किया है। काम की कानूनी गारंटी खत्म कर रोजगार को बजट और प्रशासनिक फैसलों पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह करोड़ों ग्रामीण मजदूरों की आजीविका पर सीधा हमला है और देश की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश है।

जिला और ब्लॉक स्तर पर तैयारी

दीपक बैज ने जिला, ब्लॉक,नगर और शहर कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों के साथ-साथ सभी मोर्चा संगठनों और विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे कार्यकर्ताओं, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और अग्रिम संगठनों को संगठित कर ग्राम सभाओं में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कांग्रेस का उद्देश्य शांतिपूर्ण तरीके से तथ्यों के साथ यह बताना है कि मजदूरों के अधिकार कैसे छीने जा रहे हैं।

कांग्रेस क्यों कर रही है विरोध?

कांग्रेस का कहना है कि मनरेगा के तहत गांवों को अपनी जरूरत के अनुसार काम तय करने का अधिकार था और मजदूरों को समय पर पूरी मजदूरी मिलती थी। नए ढांचे में इन अधिकारों पर असर पड़ने की आशंका है। सरकार भले ही रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 करने की बात कर रही हो, लेकिन कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि जब छत्तीसगढ़ में पहले ही ज्यादातर परिवारों को 100 दिन का काम नहीं मिल पा रहा, तो 125 दिन का दावा कैसे पूरा होगा।

आज से अगले 3 दिन नर्सिंग स्टॉफ का आंदोलन

प्रदेश भर में स्वास्थ्य सेवाएं हो सकती हैं प्रभावित,11 मांगों को लेकर प्रदर्शन

रायपुर,28 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर नर्सिंग ऑफिसर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के सदस्यों ने प्रदेश के सभी चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालयों में 29, 30 और 31 दिसंबर को होने वाले निश्चितकालीन आंदोलन के लिए फॉर्म भर दिए हैं। यानी कल से अगले 3 दिन तक नर्सिंग स्टाफ आंदोलन में रहेंगे। यह संघ के चरणबद्ध आंदोलन का चौथा चरण है। संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि 3 दिन के आंदोलन के बाद भी शासन ने मुख्य मांगों पर संवेदनशीलता नहीं दिखाई, तो प्रदेश स्तरीय अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा। जिससे अस्पतालों का कामकाज पूरी तरह प्रभावित होगा।

अति आवश्यक सेवाएं रहेंगी चालू : संघ ने स्पष्ट किया है कि गंभीर मरीजों की देखभाल के लिए आवश्यक संख्या में नर्सिंग स्टाफ सेवाओं में उपस्थित रहेगा। अंबिकापुर चिकित्सालय में प्रशासन के आग्रह पर आंदोलन के बावजूद नर्सिंग संवर्ग ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सेवाएं जारी रखीं, जिससे प्रबंधन को राहत मिली।

नर्सिंग ऑफिसर्स की 11 प्रमुख मांगें

- 2018 में गठित समिति की अनुशंसाएं तत्काल लागू की जाएं।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (1310 बेड) में 526 स्वीकृत पदों में से करीब 400 रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती।
- संविदा और डेली वेजेस कर्मचारियों को उसी अस्पताल में नियमित किया जाए, समान काम का समान वेतन मिले।
- स्टाफ नर्स का पदनाम नर्सिंग ऑफिसर और नर्सिंग सिस्टर का सीनियर नर्सिंग ऑफिसर किया जाए।
- केंद्र के अनुरूप नर्सिंग अलाउंस 7200 रुपए और वाशिंग अलाउंस 1800 रुपए दिया जाए।
- रायपुर, अंबिकापुर और बिलासपुर मेडिकल कॉलेजों में अध्ययन अवकाश (2025-26) के लिए एनओसी और वेतन भुगतान सुनिश्चित हो।
- ड्यूटी के दौरान बच्चों की देखभाल के लिए झूला घर (क्रेच) की व्यवस्था।
- 10, 20 और 30 साल की सेवा पर मिलने वाला समयमान वेतनमान ब्याज सहित दिया जाए।
- नर्सिंग संवर्ग और उनके परिवार के लिए कैशलेस इलाज सुविधा।
- सहायक नर्सिंग अधीक्षक, नर्सिंग प्रदर्शक और नर्सिंग सिस्टर के पदों पर पदोन्नति।
- गंभीर मरीजों के परिजनों के लिए रुकने, खाने और शौचालय की व्यवस्था हेतु भवन निर्माण।

मुख्यमंत्री साय ने जनप्रतिनिधियों संग 'मन की बात' कार्यक्रम की 129 वीं कड़ी को सुना

रायपुर,28 दिसम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 129वीं कड़ी का श्रवण किया। इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय, विधायक प्रबोध मिंज एवं विधायक पुरंदर मिश्रा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वर्ष के अंतिम 'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी अपनाने, देश में निर्मित उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा बिना चिकित्सकीय परामर्श के एंटी बायोटिक दवाओं के सेवन से बचने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्र को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री निरंतर जनभागीदारी, नवाचार, आत्म निर्भरता,स्वास्थ्य जागरूकता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2025 को भारत के लिए उपलब्धियों से भरा गौरवशाली वर्ष बताया। उन्होंने देश की सुरक्षा,खेल,विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में हुई ऐतिहासिक सफलताओं का उल्लेख किया।

टोल प्लाजा पर ट्रक चालकों से चाकूबाजी 2 नाबालिग सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़,28 दिसम्बर 2025। रायपुर-बिलासपुर सिक्स लेन पर स्थित तरपोंगी टोल प्लाजा के पास रुकना अब ट्रक चालकों के लिए भी असुरक्षित होता जा रहा है। शनिवार तड़के करीब 4 बजे चाय पीने रुके दो ट्रक चालकों के साथ चाकूबाजी की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस वारदात में दोनों ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, दोनों ट्रक चालक टोल प्लाजा के समीप एक होटल में चाय पी रहे थे, तभी चार असामाजिक तत्व वहां पहुंचे और शराब पीने के लिए रंगदारी के रूप में पैसे मांगने लगे। पैसे देने से इनकार करने पर आरोपियों ने चाकू से दोनों चालकों पर हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जांच शुरू की।

मुखबिरों की सूचना और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने दो नाबालिग समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है। इस घटना के बाद टोल प्लाजा की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

रायगढ़ कोयला खदान बवाल...महिला टीआई को मारी लात

बेहोश होकर जमीन पर गिरीं,भीड़ ने फूंकी पुलिस गाड़ी-एंबुलेंस,सीएम बोले...दोषियों पर कार्रवाई होगी

रायगढ़,28 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जेपीएल कोयला खदान के खिलाफ धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों को हटाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। महिलाओं ने तमनार थाना की थाना प्रभारी कमला पुषाम को लात मारी। हमले में टीआई घायल हो गईं। वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गईं। एसडीओपी अनिल विश्वकर्मा समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। कुछ घायलों को स्थानीय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जबकि कुछ को रायगढ़ रेफर किया गया। हमले के बाद हालात इतने बिगड़े कि पुलिस की गाड़ियां और एम्बुलेंस तक जला दी गईं। आज प्रदर्शनकारियों की संख्या ज्यादा हो गई है।

वहीं घरघोड़ा एसडीएम दुर्गा प्रसाद ने बताया कि प्रदर्शनकारी और जनप्रतिनिधि मंडल के साथ प्रशासन की बातचीत हुई है। एक स्तर की मीटिंग हो चुकी है। प्रदर्शनकारियों की मांग पर निरस्तीकरण की ओर आगे बढ़ चुके हैं। प्रदर्शनकारियों को सूचना दे दी गई है। प्रदर्शनकारियों से अपील है कि शांति व्यवस्था को बनाए रखें। रविवार को आंदोलन के 17वें दिन भी ग्रामीण तमनार के सीएचपी चौक धरनास्थल पर बैठे हैं। लिबरा रोड पर ग्रामीणों ने पेड़ काट कर सड़क पर रख दिया है, ताकि कोई आगे न आ सके। प्रदर्शनकारियों का कहना है जब तक फैसला वापस लेने का आदेश नहीं मिल जाता, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं जिंदल फोर्टिस अस्पताल के पास पुलिस का अतिरिक्त बल तैनात है। बिलासपुर रेंज के आईजी संजीव शुक्ला और बिलासपुर कमिश्नर भी तमनार पंहुचे हैं द्य वहीं शनिवार को हुई हिंसा पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मामले की जांच होगी। दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। रायगढ़ कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि 15 दिनों से सभी ग्रामीण धरना स्थल पर शांति पूर्वक बैठे थे। इसी बीच शनिवार दोपहर ढाई बजे के आसपास कुछ लोगों ने प्रदर्शनकारियों को भड़का दिया। इसके बाद लोगों ने पथराव कर दिया। पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी अपनी जान बचाकर मौके से भागे। इसके बाद जिला प्रशासन और पुलिस की टीम दोबारा ग्रामीणों से बातचीत करने के लिए गई, लेकिन भीड़ उग्र थी। भीड़ ने फिर से पथराव कर दिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)